राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार, 25 मार्च 2022 वर्ष–4,अंक–58 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कश्मीरी को कमरा देने से मना करने वाले वीडियो पर दिल्ली पुलिस की सफाई

नई दिल्ली। कश्मीरी को कमरा देने से मना करने वाले वीडियो पर दिल्ली पुलिस की सफाई, बताया छवि खराब करने की कोशिश, कहा- हमने कोई निर्देश नहीं दिया दिल्ली पुलिस ने आज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि पुलिस ने किसी भी होटल को जम्मू-कश्मीर के लोगों को बुकिंग नहीं लेने को लेकर कोई निर्देश नहीं दिया है। पुलिस का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब दिल्ली पुलिस पर जम्मू-कश्मीर के लोगों के खिलाफ इस तरह का निर्देश देने का आरोप लगा है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए पुलिस ने ट्वीट कर लिखा, कुछ लोग दिल्ली पुलिस की छवि को खराब करने की मंशा से जानबूझकर गलत बयानी के जरिए इस वीडियो को सर्कुलेट कर रहे हैं, इससे उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है। पुलिस ने यह सफाई उस वायरल वीडियो को लेकर दी है जिसमें श्रीनगर के एक नागरिक को कमरा देने से इनकार कर दिया गया था। शख्स की पहचान सैयद के तौर पर हुई है उसने एक वेबसाइट के जरिए कमरा बुक किया था। यह घटना 22 मार्च की है। वायरल वीडियो में रिसेप्शनिस्ट को दूसरे व्यक्ति को कॉल करते हुए देखा जा सकता है कि वह गेस्ट को कमरा न देने को ले रिसेप्शनिस्ट कहती है, पुलिस ने कहा है कि हम जम्मू-कश्मीर के लोगों को कमरा नहीं दे सकते। इस वीडियो को खुद सैयद ने रिकॉर्ड किया था। जम्मू-कश्मीर छात्र संघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता नासिर खुहमी ने इसे द कश्मीर फाइल्स का जमीनी प्रभाव बताते हुए ट्विटर पर साझा किया था। जिसके बाद यह वीडियो वायरल हो गया। उन्होंने लिखा, दिल्ली के होटल ने आईडी और अन्य दस्तावेज उपलब्ध कराने के बावजूद कश्मीरी व्यक्ति को कमरा देने से मना कर दिया। क्या कश्मीरी होना एक अपराध है।

बीरभूम हिंसा: 10 साल में बहा दस लोगों का खून, बकरी को लेकर शुरू हुआ था झगड़ा

शेख ने बताया कि फतीक शेख के घर से सात शव निकाले गए। शेख के घर के पीछ कुछ मुर्गियां दाना चुगती नजर आती हैं। घर के सामने एक बछड़ा बंधा हुआ है लेकिन आसपास के घरों में ताला लगा हुआ है।

कोलकाता। बीरभूम में हुई हिंसा के बाद बड़ी संख्या में लोग रामपुरहाट कस्बा छोड़कर पलायन कर गए हैं। हिंसा के बाद तनाव का माहौल है और सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। टीएमसी नेता भादू शेख की हत्या के बाद हिंसा भड़क गई थी। इसके बाद कई घरों में आग लगा दी गई जिसमें जलकर 8 लोगों की मौत हो गई है। अब यह कस्बा एक तरह से 'भुतहे गांव' में तब्दील हो गया है।

गांव के पश्चिम में रहने वाले कालू शेख ने कहा, मरने वालों में सभी महिलाएं थीं और कम से कम दो बच्चे थे। सोमवार को रात 10 बजे के आसपास गांव में तबाही मची। इसके बाद बुधवार को 23 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। बता दें कि बारशल पंचायत के तहत पांच गांव आते हैं। इन गांवों में पिछले 10 सालों में हिंसा की कई घटनाएं हो चुकी हैं।

शेख ने बताया कि फतीक शेख के घर से सात शव निकाले गए। शेख के घर के पीछ कुछ मुर्गियां दाना चुगती नजर आती हैं। घर के सामने एक बछड़ा बंधा हुआ है लेकिन आसपास के घरों में ताला लगा हुआ है। कुछ लोग यह भी कह रहे थे कि फातिक शेख का शव धान के खेतों से मिला हालांकि पुलिस ने कहा कि यह कोरी अफवाह है।

गांव की सड़क के किनारे संजू शेख का घर है। आगजनी की घटना के बाद संजू शेख के घर से भी तीन लोगों को घायल हालत में निकाला था। इनमें से एक की अस्पताल में मौत हो गई। बुधवार तक पुलिस ने पीड़ितों की पहचान उजागर नहीं की थी। पश्चिमपाड़ा

की रहने वाली काजल शेख ने कहा, आपको आश्चर्य हो सकता है लेकिन भादू शेख, फातिक शेख और संजू शेख के परिवार के बीच 10 साल पहले दुश्मनी शुरू हुई थी। खेत में बकरी चरने के मामले में एक बार उनके बीच झगड़ा हो गया था। इन 10 सालों में करीब 10 लोगों की मौत हो चुकी है। पिछले साल जनवरी में भादू के बड़े भाई बाबर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

काजल शेख ने कहा, झगड़े का मेन मुद्दा यह है कि संजू शेख और फातिक शेख बोगतुई के रहने वाले नहीं हैं। वे मोरग्राम गांव के रहने वाले थे जो कि रामपुरहाट से 50 किलोमीटर की दूरी पर हैं। एक स्थानीय महिला से शादी करने के बाद वे यहीं रहने लगे थे। संजू के पिता सोना शेख 22 साल पहले यहां

गांव की सड़क के किनारे संजू शेख का घर है। आगजनी की घटना के बाद संजू शेख के घर से भी तीन लोगों को घायल हालत में निकाला था। इनमें से एक की अस्पताल में मौत हो गई। बुधवार तक पुलिस ने पीड़ितों की पहचान उजागर नहीं की थी।

आए थे। इसके बाद एक-एक करके उनका परिवार यहीं बसने लगा। गांव के लोगों का कहना है कि ये लोग घुसपैठिए हैं जो कि बाहर से आकर गांव में कब्जा करने लगे। भूमि को लेकर भी उन लोगों में आपस में विवाद रहता था।

जहरीली शराब से मौत

विपक्ष ने मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग को लेकर विधानसभा में किया हंगामा

पटना। बिहार विधानसभा में विपक्षी पार्टियों ने होली के दौरान राज्य के विभिन्न जिलों में कथित रूप से जहरीली शराब पीने से हुई लोगों की मौत के मुद्दे पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की इस्तीफे की मांग को लेकर बुधवार को हंगामा किया, जिसकी वजह से कामकाज बाधित हुआ और दो बार सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। उल्लेखनीय है कि बिहार में शराब पर पूर्ण प्रतिबंध है। यह मुद्दा सबसे पहले शून्य काल में उठा, जब कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और वाम दलों के विधायक मुख्यमंत्री के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अध्यक्ष के आसन के सामने आ गए। विपक्षी सदस्य संसदीय कार्यमंत्री विजय कुमार चौधरी के इस अनुरोध से भी संतुष्ट नहीं हुए कि शुक्रवार को गृह विभाग के बजट परिव्यय पर मतदान के दौरान जहरीली शराब से मौतों के मुद्दे पर चर्चा की जा सकती है। विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा ने अपराह्न करीब साढ़े बजे सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। जब कार्यवाही दोपहर के भोजनावकाश के बाद दोबारा शुरू हुई तो हंगामे की वजह से कार्यवाही एक बार फिर से शाम चार बजकर 50 मिनट तक के लिए स्थगित कर दी गई। सदन की कार्यवाही जब शाम चार बजकर 50 मिनट पर शुरू हुई तो मुख्यमंत्री भी सदन में आए और विपक्षी विधायक एक बार फिर ''नीतीश कुमार इस्तीफा दो' के नारे लगाने लगे। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने तेजी से दिन के कार्य कराए और सदन की कार्यवाही बृहस्पतिवार तक के लिए स्थगित कर दी। उल्लेखनीय है कि होली के आस-पास बांका, भागलपुर, मधेपुरा और बक्सर जिलों में 20 से अधिक लोगों की कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से मौत की खबर आई है। ये मामले दीपावली के आस-पास जहरीली शराब पीने से करीब 40 लोगों की मौत की घटना के कुछ महीने बाद आए हैं।

मंदिरों के पास मुस्लिम दुकानदारों पर प्रतिबंध के पोस्टरों पर विवाद, सरकार ने दी सफाई

बेंगलुरु। कर्नाटक में हिजाब विवाद अभी शांत नहीं हुआ है, लेकिन अब एक और विवाद सामने आया है। राज्य में कुछ जगहों पर लगे मुस्लिम दुकानदारों के खिलाफ पोस्टर चर्चा का विषय बन गए हैं। इन पोस्टरों में मुस्लिमों को मंदिरों के पास दुकान या स्टाल लगाने से मना किया गया है।

कर्नाटक में मंगलुरु जिले में भी बप्पनडु दुर्गा परमेश्वरी मंदिर के वार्षिक मेले में मुस्लिम अपने स्टाल नहीं लगा सकते हैं लिखे पोस्टर मंदिर के चारो ओर लगे हैं। हालांकि, मंदिर प्राधिकरण ने इस तरह के किसी भी बैनर को लगाने से इन्कार किया है। उन्होंने कहा ये पोस्टर उनकी सूचना में लाए बिना

लगाए गए हैं।

मंदिर के प्रशासक मनोहर शेट्टी ने कहा, बैनर मंदिर प्राधिकरण द्वारा नहीं लगाया गया था। किसी ने इसे हमारी सूचना के बिना लगाया था। मंदिर प्राधिकरण ने किसी को भी यहां व्यापार करने से नहीं रोका है।

पुलिस बोली- कार्रवाई करेंगे

मंगलुरु पुलिस कमिश्नर एन शशि कुमार ने कहा, हमें घटना के बारे में पता चला है। हमने इसके बारे में स्थानीय प्रशासन और मंदिर प्राधिकरण को सूचित किया है। उनके एक्शन के आधार पर हम इस पर कार्रवाई करेंगे। कुछ अन्य मंदिरों में भी इसी तरह के बैनर लगाए गए हैं। हम कानूनी कार्रवाई की राय लेंगे और फिर अपना अगला कदम उठाएंगे।

क्या बोला अल्पसंख्य आयोग?

इस विवाद पर कर्नाटक राज्य अल्पसंख्यक आयोग ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। आयोग के अध्यक्ष अब्दुल अजीम ने बुधवार को कहा कि मंदिर के वार्षिक मेले में गैर-हिंदुओं को दुकानें नहीं लगाने देने को लेकर मंदिर के फैसले के संबंध में बातचीत हो रही है। मामले को जल्द सुलझा लिया जाएगा।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे पर 1 अप्रैल से टोल टैक्स, जानें कितनी हो सकती है कीमत

नई दिल्ली। एक अप्रैल से आपकी जेब पर टोल का बोझ बढ़ने जा रहा है। दिल्ली-एनसीआर को जोड़ने वाले लगभग सभी टोल प्लाजा पर वाहनों से वसूले जाने वाले शुल्क की दरें बढ़ने जा रही हैं। एक्सप्रेसवे पर एक वर्ष तक मुफ्त सफर भी खत्म होने जा रहा है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने पहली अप्रैल से टोल लगाने को सहमति दी है। अब टोल दर संबंधी प्रस्ताव पर मोहर लगनी बाकी है। एनएचएआई ने बीते वर्ष अगस्त के प्रस्ताव से 10 से 12 फीसदी टोल दर बढ़ाने का सुझाव दिया है यानी अब दरें 155-160 रुपये के बीच रह सकती हैं।

कहां से गुजरने पर टोल देना होगा

टोल परतापुर से पहले लगेगा। अभी सरायकाले खां से डासना के बीच सफर करने वालों से टोल नहीं लिया जाएगा, लेकिन डासना से आगे जाने वालों को टोल देना होगा। सराय काले खां से डासना के बीच चलती हुई कार से ऑटोमेटिक टोल वसूली होनी है जिसके लिए गाइड लाइन बन रही है। जब तक गजट नोटिफिकेशन जारी नहीं हो जाता यहां टोल वसूली नहीं होगी।

दिल्ली-मेरठ के साथ ही ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर भी टोल दरें 10 फीसदी से अधिक बढ़ने जा रही हैं। 135 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे पर भी पहली अप्रैल से संशोधित दरें लागू हो जाएंगी। सभी श्रेणी के वाहनों के लिए टोल दरें बढ़ाने का प्रस्ताव है।

राजधानी को दहलाने की फिराक में हैं आतंकी, तहरीक-ए-तालिबान की धमकी के बाद दिल्ली-एनसीआर में अलर्ट

नई दिल्ली। देश की राजधानी में धमाके की धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियां चौकन्नी हो गई हैं। आतंकी खतरे को देखते हुए दिल्ली-एनसीआर को हाई अलर्ट कर दिया गया है। खास तौर से भीड़भाड़ वाले प्रमुख बाजारों की सुरक्षा को लेकर चौकसी बरती जा रही है। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार देर रात सरोजिनी मार्केट समेत कई प्रमुख बाजारों में सर्च ऑपरेशन भी चलाया। दरअसल, आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान (इंडिया सेल) के नाम से एक अज्ञात ई-मेल यूपी पुलिस के साथ ही एक मीडिया हाउस को मिला है। इसमें देश की राजधानी में धमाके की धमकी दी गई है। यूपी पुलिस ने इस धमकी भरे ई-मेल के बारे में दिल्ली पुलिस समेत अन्य एजेंसियों को सूचना दे दी है। इसके बाद दिल्ली-एनसीआर में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।

इसके पहले भोपाल में रविवार को गिरफ्तार हुए आतंकियों से हुई पूछताछ में भी इस बात खुलासा हुआ था कि देश के नौ प्रदेशों में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की तैयारी में संदिग्धों का मॉड्यूल जुटा हुआ है।

संदिग्धों के बारे में सूचना दें

दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि सतर्कता के लिहाज से प्रमुख बाजारों में जांच की गई। हमने लोगों से संदिग्धों पर पैनी नजर रखने और उनके बारे में सूचित करने की अपील की है। साथ ही दिल्ली पुलिस इस ई-मेल के स्रोत का पता लगाने की कोशिश कर रही है। हमले को लेकर किए गए दावे की भी जांच की जा रही है।

नौ राज्यों में जताई थी हमले की आशंका

इसके पहले भोपाल में रविवार को गिरफ्तार हुए आतंकियों से हुई पूछताछ में भी इस बात खुलासा हुआ था कि देश के नौ प्रदेशों में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की तैयारी में संदिग्धों का मॉड्यूल जुटा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, ये वो राज्य हो सकते हैं, जहां बांग्लादेश का प्रतिबंधित आतंकी संगठन जमात-उल-मुजाहिद्दीन बांग्लादेश (जेएमबी) अपनी जड़ें मजबूत कर रहा है।

सीयूईटी में पूछे जाएंगे 75 सवाल, देने होंगे सिर्फ 60 के जवाब, एनटीए ने दिए संकेत, एक अप्रैल से शुरू हो सकता है रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए कामन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) की घोषणा के बाद अब उससे जुड़ी तैयारियां भी तेज हो गई हैं। फिलहाल इसके आयोजन की जो योजना बनाई गई है, उसके तहत यह परीक्षा कंप्यूटर आधारित होगी। साथ इसका आयोजन पूरे देश में होगा। अंडर ग्रेजुएट के सामान्य पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए होने वाली इस परीक्षा में कुल 75 सवाल पूछे जाएंगे, लेकिन छात्रों को सिर्फ 60 सवालों के ही जवाब देने होंगे। परीक्षा एक घंटे की होगी और सभी सवाल 12वीं स्टैंडर्ड के होंगे।

सीयूईटी का पूरा खाका तैयार-शिक्षा मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, सीयूईटी का पूरा खाका तैयार हो गया है। जल्द ही इसे अंतिम रूप दे दिया जाएगा। इस बीच, सीयूईटी के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया एक अप्रैल से शुरू करने के संकेत दिए गए हैं जो 30 अप्रैल तक प्रस्तावित है। हालांकि परीक्षा जुलाई में आयोजित होगी और इसकी तिथि का एलान भी जल्द करने के संकेत दिए गए हैं।

दाखिले के लिए अलग परीक्षा

भाषा या संस्कृत से जुड़े पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए इसके साथ ही एक अलग परीक्षा होगी, जिसमें करीब 50 सवाल पूछे जाएंगे और छात्रों को सिर्फ 40 के ही जवाब

देने होंगे। इस परीक्षा का समय 45 मिनट का होगा। खास बात यह है कि छात्रों को रजिस्ट्रेशन के समय ही इससे जुड़े सभी विकल्पों को भरना होगा। परीक्षा के आयोजन का जिम्मा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को दिया गया है।

छात्रों को ज्यादा सवालों के विकल्प

सीयूईटी के आयोजन में जुटे अधिकारियों के मुताबिक, परीक्षा में छात्रों को ज्यादा सवालों के विकल्प दिए जाएंगे। यह व्यवस्था देशभर में 12वीं के अलग-अलग बोर्डों के चलते बनाई गई है। हालांकि परीक्षा एनसीईआरटी से जुड़े पाठ्यक्रमों पर ही आधारित होगी, लेकिन कोशिश होगी कि जो भी सवाल रखे जाएं उन्हें लेकर देश के दूसरे बोर्डों से पढ़कर आने वाले छात्रों को कोई दिक्कत न हो। यह परीक्षा 13 भाषाओं में आयोजित होगी। छात्र किस भाषा में परीक्षा देना चाहता है, इसकी जानकारी उसे रजिस्ट्रेशन के समय ही देनी होगी।

दाखिले के लिए नहीं भटकना होगा

शिक्षा मंत्रालय का मानना है कि सीयूईटी से छात्रों को विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए भटकना नहीं होगा। साथ ही मंत्रालय की यह भी कोशिश है कि सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों के साथ ही राज्यों और निजी विश्वविद्यालय भी सीयूईटी के स्कोर के आधार पर अपने यहां दाखिले दें। इससे उन पर वित्तीय बोझ कम पड़ेगा, साथ ही समय की बड़ी बचत होगी। मौजूदा समय में नीट और जेईई-मेंस के स्कोर के आधार पर ही ज्यादातर राज्य अपने इंजीनियरिंग और मेडिकल कालेजों में दाखिले देते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

सज्जन पुरुष बादलों के समान देने के लिए ही कोई वस्तु ग्रहण करते हैं। - कालिदास

संपादकीय

अलविदा पाबंदियां

भारत में ठीक दो साल पहले लॉकडाउन लगा था और अब 1 अप्रैल से आपदा प्रबंधन अधिनियम के प्रावधान हटने के साथ ही लॉकडाउन इतिहास की बात हो जाएगा। प्रधानमंत्री ने 24 मार्च, 2020 को लॉकडाउन लगाने की घोषणा की थी, तब भारत में कुल कोरोना संक्रमित 564 लोग थे और इस महामारी को लेकर भयानक भय व्याप्त था। तब लोग यह मान रहे थे कि कोरोना का मतलब मौत है, इसलिए सरकार ने जब लॉकडाउन का फैसला लिया, तो इसे जान बचाने की दिशा में एकमात्र विकल्प माना गया। आज जब बची-खुची पाबंदियां भी खत्म होने जा रही हैं, तब देश में कोरोना संक्रमितों की दर्ज संख्या 23,000 है, लेकिन कोरोना का भय समाप्त हो चुका है। समय-समय की बात है। कोरोना लहर की तीन-तीन आंधियां झेलने के बाद हम निडर हो चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जारी की जाने वाली स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर्स जारी रहेंगी, लेकिन केंद्र सरकार ने कोविड रोकथाम के उपायों को लेकर पहली बार 24 मार्च, 2020 को जो आदेश जारी किए थे, उसकी अवधि 31 मार्च को खत्म हो जाएगी और उसके बाद उचित ही कोई नया आदेश जारी नहीं होगा। कहा जा रहा है कि मास्क लगाने और शारीरिक दूरी बनाए रखने के नियम लागू रहेंगे, लेकिन क्या यह संभव है? आज बाजारों, ट्रेनों, मेट्रो, सार्वजनिक वाहनों में जो हालात दिख रहे हैं, ज्यादातर जगह शायद ही कोई किसी को मास्क पहनने के लिए कह पा रहा है, और शारीरिक दूरी की चिंता तो अब कुछ ही लोगों को है। सरकार ने नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी की सिफारिशों के बाद यह फैसला लिया है। बेशक, आपदा प्रबंधन में लगे तमाम लोग बधाई के हकदार हैं। समय रहते लॉकडाउन और यथासंभव सावधानी के बावजूद भारत में दूसरी लहर के समय 6 मई, 2021 को चार लाख 14 हजार से अधिक नए मामले दर्ज हुए थे। भारत जैसे विशाल देश में अगर कड़ाई नहीं बरती गई होती, तो हम संक्रमण को कतई संभाल नहीं पाते। अप्रैल-मई 2021 में हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था का जो हाल था, वह लॉकडाउन के बावजूद था। अगर लॉकडाउन न होता, तो क्या होता? अत- हमें खुले मन से यह स्वीकार करना चाहिए कि लॉकडाउन से लाख शिकायतें होंगी, लेकिन लॉकडाउन ने असंख्य भारतीयों के जीवन की रक्षा की है। अमेरिका में हमारी तुलना में एक तिहाई से भी कम आबादी है, लेकिन वह लॉकडाउन के अभाव में ही कोरोना संक्रमण को रोकने में एक हद तक नाकाम हुआ। वहां आज भी प्रतिदिन 25 हजार से ज्यादा मामले आ रहे हैं। बहरहाल, कोरोना बचाव संबंधी प्रावधानों को हम अब शायद ही कभी भूल पाएंगे, लेकिन भविष्य में कभी भी ऐसी स्थिति आए, तो हमें बेहतर ढंग से लॉकडाउन के लिए तैयार रहना होगा। 1 अप्रैल से जब किसी तरह की पाबंदी नहीं रह जाएगी, तब स्कूल भी पूरी तरह खुल जाएंगे। सिनेमा हॉल, सभागार भी पूरी तरह से चल पड़ेंगे। वैवाहिक व सांस्कृतिक आयोजनों की अबाध शुरुआत हो जाएगी, लेकिन तब भी हमें सावधान रहना होगा। कुछ जगहों पर राज्य सरकारें भले मास्क या शारीरिक दूरी की अनिवार्यता खत्म कर दें, लेकिन हमें अपनी ओर से हालात देखते हुए चलना होगा। भीड़ भरी बंद जगहों पर मास्क और शारीरिक दूरी वैज्ञानिक रूप से भी अपरिहार्य है। भारत में टीकाकरण अभियान 181.56 करोड़ से ज्यादा खुराक के बाद भी जारी है, बेशक, हमें सुरक्षित रहने के लिए हरसंभव कदम उठाते रहना होगा।

आज के कार्टुन

त्याग

श्रीराम शर्मा आचार्य/ त्याग में कितनी मिठास है, इसे बेचारे स्वार्थी और कंजूस भला क्या समझेंगे? जो इसके अमर मिठास का आस्वादन करना चाहते हैं, उनकी नीति होनी चाहिए 'आप लीजिए-मुझे नहीं चाहिए।' यही नीति है जिसके आधार पर सुख-शांति का होना संभव है। 'मैं लूंगा आपको न दूंगा की नीति अपनाकर कैकेयी ने अयोध्या को नरक बना दिया था। सारी नगरी विलाप कर रही थी। दशरथ ने तो प्राण ही दे दिए। राजभवन मरघट की तरह शोकपूर्ण हो गया। राम जैसे निर्दोष तपस्वी को वनवास ग्रहण करना पड़ा। किंतु जब 'आप लीजिए-मुझे नहीं चाहिए' की नीति व्यवहार में आई तो दूसरे ही दृश्य हो गए। राम ने राज्याधिकार को त्यागते हुए भरत से कहा-'बंधु! तुम्हें राज्य सुख प्राप्त हो, मुझे यह नहीं चाहिए।' सीता ने कहा-'नाथ! यह राजभवन मुझे नहीं चाहिए। मैं तो आपके साथ रहूंगी।' सुमित्रा ने लक्ष्मण से कहा-'अवध तुम्हार काम कछु नाहीं। जो पै राम सिय बन जाहीं।।-पुत्र! जहां राम रहें, वहीं अयोध्या मानते हुए उनके साथ रहो।' कैसा स्वर्गीय प्रसंग है। भरत ने तो इस नीति को और भी सुंदर ढंग से चरितार्थ किया। राज-पाट में लात मारी और भाई के चरणों से लिपट कर बालकों की तरह रोने लगे। बोले-'भाई! मुझे नहीं चाहिए। इसे तो आप ही लीजिए। 'राम कहते हैं-'भरत! मेरे लिए तो वनवास ही अच्छा है। राज्य सुख तुम भोगो।' त्याग के इस सुनहरी प्रसंग में स्वर्ग छिपा है। कुछ परिजनों ने त्रेता को सतयुग में परिवर्तित कर दिया। अवध सतयुगी रंग में रंग गया। वहां के सुख सौभाग्य का वर्णन करते-करते वाल्मीकी और तुलसीदास अघाते नहीं हैं। प्रभु ने मनुष्य को इसलिए इस पृथ्वी पर नहीं भेजा है कि एक दूसरे को लूट खाएं और आपस में रक्त की होली खेलें। परम पिता की इच्छा है कि लोग प्रेमपूर्वक भाई-भाई की तरह मिल-जुल कर रहें। यह तभी हो सकता है जब त्याग की नीति को प्रधानता दी जाए। आप किसी को कुछ दें या उसका किसी प्रकार का उपकार करें तो बदले में कोई आशा न रखें। जो कुछ देंगे, हजार गुना होकर लौट आवेगा परंतु उसके लौटने की तिथि नहीं गिननी चाहिए। ध्यान से देखिए, सारा विश्व आपको कुछ दे रहा है। जितने आनंददायक पदार्थ आपके पास हैं, वे सब आपके बनाए हुए नहीं हैं वरन दूसरों के द्वारा आपको प्राप्त होते हैं। फिर आप दूसरों को देने में इतना संकोच क्यों करते हैं?

गणेश शंकर विद्यार्थी की लेखनी से कांपती थी अंग्रेज सरकार

(लेखक - योगेश कुमार गोयल/ बलिदान दिवस (25 मार्च) पर विशेष)

गणेश शंकर विद्यार्थी पत्रकारिता जगत के ऐसे महान् पुरोधा थे, जिनकी लेखनी से ब्रिटिश सरकार इस कदर भयभीत रहती थी कि क्रांतिकारी लेखन के लिए उन्हें अंग्रेज सरकार द्वारा पांच बार सश्रम कारावास और अर्थदंड की सजा दी गई। उनके लेखों में ऐसी गजब की ताकत थी कि उनकी पत्रकारिता ने ब्रिटिश शासन की नींद हराम कर दी थी। जब उनकी कलम चलती थी तो ब्रिटिश हुकूमत की जड़ें हिल जाती थी। बेमिसाल क्रांतिकारी पत्रकारिता के कारण ही गणेश शंकर विद्यार्थी और उनका अखबार 'प्रताप' आज के दौर में भी पत्रकारिता जगत के लिए आदर्श माने जाते हैं। वह एक निर्भीक पत्रकार, समाजसेवी, महान क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी थे। वे स्वयं तो एक उच्च कोटि के पत्रकार थे ही, उन्होंने अनेक युवाओं को लेखक, पत्रकार तथा कवि बनने की प्रेरणा और ट्रेनिंग दी। कांग्रेस के विभिन्न आन्दोलनों में भाग लेने तथा ब्रिटिश सत्ता के अत्याचारों के विरूद्ध 'प्रताप' में निर्भीक लेख लिखने के कारण वे पांच बार जेल गए। जब भी उन्हें अंग्रेज सरकार द्वारा गिरफ्तार किया जाता तो उनकी अनुपस्थिति में 'प्रताप' का सम्पादन माखनलाल चतुर्वेदी तथा बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' सरीखे साहित्य के दिग्गज संभाला करते थे।

26 अक्तूबर 1890 को उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद के अतरसुइया मोहल्ले में एक स्कूल हैडमास्टर जयनारायण के घर जन्मे विद्यार्थी जी की प्रारम्भिक शिक्षा उर्दू तथा अंग्रेजी में हुई। इलाहाबाद में शिक्षण के दौरान ही उनका झुकाव पत्रकारिता की ओर हुआ। हिन्दी साप्ताहिक 'कर्मयोगी' के सम्पादन में वे पंडित सुन्दर लाल की सहायता करने लगे। कानपुर में अध्यापन के दौरान उन्होंने कर्मयोगी सहित कई और अखबारों में लेख लिखे और पत्रकारिता के जरिये स्वाधीनता आन्दोलन से गहरे जुड़ गए। कुछ समय बाद उन्होंने पत्रकारिता, सामाजिक कार्यों तथा स्वाधीनता आन्दोलन से जुड़ाव के चलते 'विद्यार्थी' उपनाम अपना लिया और गणेश शंकर से 'गणेश शंकर विद्यार्थी' हो गए। उनकी उत्कृष्ट लेखनशैली से प्रभावित होकर हिन्दी पत्रकारिता जगत के पुरोधा पं. महावीर प्रसाद द्विवेदी ने 1911 में अपनी साहित्यिक पत्रिका 'सरस्वती' में उपसम्पादक के पद पर कार्य करने का ऑफर दिया किन्तु विद्यार्थी जी को ज्वलंत समाचारों, समसामयिक तथा राजनीतिक विषयों में ज्यादा दिलचस्पी थी, इसलिए उन्होंने द्विवेदी जी का प्रस्ताव स्वीकारने के बजाय महामना पं. मदन मोहन मालवीय के हिन्दी साप्ताहिक 'अभ्युदय' में नौकरी ज्वाइन की।

9 नवम्बर 1913 को उन्होंने एक क्रांतिकारी पत्रकार के रूप में कानपुर से स्वयं 'प्रताप' नामक पत्रिका निकालना शुरू कर दिया। प्रताप के जरिये विद्यार्थी जी किसानों, मजदूरों और ब्रिटिश अत्याचारों से कराहते गरीबों का दुख-दर्द उजागर करने लगे। ब्रिटिश शासनकाल की उत्पीड़न और अन्याय की क्रूर व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाना उनकी पत्रकारिता का सबसे महत्वपूर्ण अंग था, जो ब्रिटिश हुकूमत को फूटी आंख न सुहाया और इसीलिए अपनी इसी क्रांतिकारी पत्रकारिता का खामियाजा उन्हें कई मुकद्दमों, भारी जुर्माने और कई बार जेल जाने के रूप में भुगतना पड़ा। 1920 में उन्होंने 'प्रताप' का दैनिक संस्करण निकालना शुरू कर दिया, जो मूलतः किसानों, मजदूरों और पीड़ितों का हिमायती समाचारपत्र बना रहा। उन्होंने 'प्रताप' के अलावा 'प्रभा' नामक एक साहित्यिक पत्रिका तथा एक राजनीतिक मासिक पत्रिका का भी प्रकाशन किया। घटना जनवरी 1921 की है, जब रायबरेली के एक ताल्लुकदार सरदार वीरपाल सिंह ने किसानों पर गोलियां चलवाई थी। 'प्रताप' के संपादक गणेश शंकर विद्यार्थी ने उस घटनाक्रम का पूरा विवरण अपने अखबार में छापा, जिसके लिए उन्हें तथा 'प्रताप' छापने वाले शिवनारायण मिश्र पर मानहानि का मुकद्दमा दर्ज किया गया और उन्हें जेल हो गई। 16 अक्तूबर 1921 को विद्यार्थी जी ने स्वयं गिरफ्तारी दी और 22 मई 1922 को जेल से रिहा हुए। जेल में रहते हुए उन्होंने एक डायरी लिखी और रिहाई के बाद उन्होंने उसी पर आधारित 'जेल जीवन की झलक' नामक एक ऐसी श्रृंखला छापी, जिसे अत्यधिक पसंद किया गया और 'प्रताप' के साथ पाठकों का काफिला जुड़ता गया। उसके बाद तो अंग्रेजों ने उन्हें वक्त-बेवक्त लपेटने का कोई अवसर नहीं छोड़ा लेकिन विद्यार्थी अपने क्रांतिकारी विचारों से जरा भी नहीं डिगे। जेल से रिहाई के कुछ ही समय बाद भड़काऊ भाषण देने के आरोप में उन्हें ब्रिटिश सरकार द्वारा फिर गिरफ्तार कर लिया गया और 1924 में तब रिहा किया गया, जब उनका स्वास्थ्य बहुत खराब हो गया था। 1925 में राज्यसभा विधानसभा चुनाव में वे कानपुर से चुने गए और कांग्रेस के कानपुर अधिवेशन की स्वागत-समिति के प्रधानमंत्री भी नियुक्त हुए लेकिन 1929 में उन्होंने पार्टी की मांग पर त्यागपत्र दे दिया, जिसके बाद वे 1930 में उत्तर प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष चुन लिए गए और उन्हें प्रदेशभर में सत्याग्रह आन्दोलन का नेतृत्व करने की अहम जिम्मेदारी दी गई। उसी दौरान उन्हें फिर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया और गांधी-इरविन पैक्ट के बाद 9 मार्च 1931 को उनकी जेल से रिहाई हुई।

स्वाधीनता संग्राम के उस दौर में हिन्दू-मुस्लिम एक-दूसरे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग कर रहे थे लेकिन ब्रिटिश हुकूमत ने दोनों समुदायों की भावनाओं को भड़काने का ऐसा खेल खेला कि जगह-जगह हिन्दू-मुस्लिम साम्प्रदायिक दंगे भड़कने लगे और देशभर में साम्प्रदायिक हिंसा फैलने लगी। कानपुर शहर भी साम्प्रदायिक दंगों की आग में झुलस उठा। गणेश शंकर विद्यार्थी का मन इन दंगों से बड़ा व्यथित हुआ और वे स्वयं इन दंगों को रोकने तथा दोनों समुदायों में भाईचारा कायम करने के लिए लोगों को समझाते हुए घूमने लगे। कई जगहों पर वे लोगों को समझाने में सफल भी रहे और इन दंगों के दौरान उन्होंने हजारों लोगों की जान बचाई भी लेकिन वे स्वयं दंगाइयों की एक ऐसी टुकड़ी में फंस गए. जो उन्हें पहचानते नहीं थे। उसके बाद उनकी बहुत खोज की गई किन्तु वे कहीं नहीं मिले। आखिर में उनका पार्थिव शरीर एक अस्पताल में लाशों के ढ़ेर में पड़ा मिला, जो इतना फूल गया था कि लोग उसे पहचान भी नहीं पा रहे थे। हजारों लोगों की जान बचाने के बावजूद गणेश शंकर विद्यार्थी स्वयं धार्मिक उन्माद की भेंट चढ़ गए और इस प्रकार 23 मार्च 1931 को भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव को फांसी दिए जाने के दो ही दिन बाद देश ने 25 मार्च 1931 को अपनी कलम की ताकत से ब्रिटिश हुकूमत की रातों की नींद और दिन का चैन उड़ाने वाला निर्भीक, निष्पक्ष, ईमानदार, यशस्वी व क्रांतिकारी पत्रकार भी खो दिया। 29 मार्च 1931 को उनका अंतिम संस्कार किया गया। गणेश शंकर विद्यार्थी जीवन पर्यन्त जिस धार्मिक कट्टरता तथा उन्माद के खिलाफआवाज उठाते रहे, वही धार्मिक उन्माद उनकी जिंदगी लील गया। 27 अक्तूबर 1924 को विद्यार्थी जी ने 'प्रताप' में 'धर्म की आड़' शीर्षक से लेख में लिखा था, ''देश में धर्म की धूम है और इसके नाम पर उत्पात किए जा रहे हैं। लोग धर्म का मर्म जाने बिना ही इसके नाम पर जान लेने या देने के लिए तैयार हो जाते हैं। ऐसे लोग कुछ भी समझते-बूझते नहीं हैं। दूसरे लोग इन्हें जिधर जोत देते हैं, ये लोग उधर ही जुत जाते हैं।'' वह गणेश शंकर विद्यार्थी ही थे, जिन्होंने श्याम लाल गुप्त पार्षद लिखित गीत 'झंडा ऊंचा रहे हमारा' को जलियांवाला हत्याकांड की बरसी पर 13 अप्रैल 1924 से गाया जाना शुरू करवाया था। ऐसे क्रांतिकारी पत्रकार और महान् स्वाधीनता सेनानी को उनके बलिदान दिवस पर शत-शत नमन।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

स्वच्छता की देवी शीतला माता

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

हिन्दू धर्म के विविध पर्व-त्योहारों को मनाने के पीछे वैज्ञानिक सोच व तत्व-दर्शन निहित है। होली के एक सप्ताह बाद मनाये जाने वाले शीतलाष्टमी त्योहार पर शीतला माता का पूजन कर व्रत रखा जाता है। मान्यता है कि माता के पूजन से चेचक, खसरा जैसे संक्रामक रोगों का मुक्ति मिलती है। चूंकि ऋतु-परिवर्तन के दौरान इस समय संक्रामक रोगों के प्रकोप की काफी आशंका रहती है। इसलिए इन रोगों से बचाव के लिए श्रद्धालु शीतलाष्टमी के दिन माता का विधिपूर्वक पूजन करते हैं जिससे शरीर स्वस्थ बना रहे। शीतला माता एक प्रसिद्ध हिन्दू देवी हैं। इनका प्राचीनकाल से ही बहुत अधिक माहात्म्य रहा है। शीतला-मंदिरों में प्रायः माता शीतला को गर्दभ पर ही आसीन दिखाया गया है। शीतला माता के संग ज्वरासुर- ज्वर का दैत्य, ओलै चंडी बीबी - हैजे की देवी, चैंसठ रोग, घेंटुकर्ण- त्वचा-रोग के देवता एवं रक्तवती - रक्त संक्रमण की देवी होते हैं। इनके कलश में दाल के दानों के रूप में विषाणु या शीतल स्वास्थ्यवर्धक एवं रोगाणु नाशक जल होता है।

सामान्य तौर पर शीतला माता का पूजन चैत्र कृष्ण पक्ष की अष्टमी को किया जाता है। भगवती शीतला की पूजा का विधान भी विशिष्ट है। शीतलाष्टमी के एक दिन पूर्व उन्हें भोग लगाने के लिए बासी खाना यानी बसौड़ा तैयार किया जाता है। अष्टमी के दिन बासी पदार्थ ही देवी को नैवेद्य के रूप में अर्पित करते हैं और भक्तों के बीच प्रसाद के रूप में इसे वितरित करते हैं। उत्तर भारत में शीतलाष्टमी का त्योहार बसौड़ा नाम से भी प्रचलित है। मान्यता है कि इस दिन के बाद से बासी खाना नहीं खाना चाहिए। यह ऋतु का अंतिम दिन होता है जब बासी खाना खा सकते हैं। इस व्रत में रसोई की दीवार पर हाथ की पांच अंगुली घी से लगाई जाती है। इस पर रोली और चावल लगाकर देवी माता के गीत गाये जाते हैं। इसके साथ, शीतला स्तोत्र तथा कहानी सुनी जाती है। रात में जोत जलाई जाती है। एक थाली में बासी भोजन रखकर परिवार के सारे सदस्यों का हाथ लगवाकर शीतला माता के मंदिर में चढ़ाते हैं। इनकी उपासना से स्वच्छता और पर्यावरण को सुरक्षित रखने की प्रेरणा मिलती है। शीतला माता की महत्ता के विषय में स्कंद पुराण में विस्तृत वर्णन मिलता है। इसमें उल्लेख है कि शीतला देवी का वाहन गर्दभ है। ये हाथों में कलश, सूप, मार्जन (झाड़ू) और नीम के पत्ते धारण किये हैं। इनका प्रतीकात्मक महत्व है। आशय यह है कि चेचक का रोगी व्यग्रता में वस्त्र उतार देता है। सूप से रोगी को हवा की जाती है। झाड़ू से चेचक के फोड़े फट जाते हैं। नीम की पत्तियां फोड़ों को सड़ने नहीं देतीं। रोगी को ठंडा जल अच्छा लगता है, अतः कलश का महत्व है। गर्दभ की लीद के लेपन से चेचक के दाग मिट जाते हैं।

स्कंद पुराण में शीतला माता की अर्चना का स्तोत्र है शीतलाष्टक। माना जाता है कि इस स्तोत्र की रचना भगवान शंकर ने की थी। यह स्तोत्र शीतला देवी की महिमा का गान कर उनकी उपासना के लिए भक्तों को प्रेरित करता है।

वन्देहं शीतलां देवीं रासभस्थां दिगम्बराम।
मार्जनीकलशोपेतां शूर्पालड्कृतमस्तकाम।।

अर्थात गर्दभ पर विराजमान दिगम्बरा, हाथ में झाड़ू तथा कलश धारण करने वाली, सूप से अलंकृत मस्तकवाली भगवती शीतला की मैं वंदना करता हूं। शीतला माता के इस वंदना मंत्र से स्पष्ट है कि ये स्वच्छता की अधिष्ठात्री देवी हैं। हाथ में मार्जनी (झाड़ू) होने का अर्थ है कि हम लोगों को भी सफाई के प्रति जागरूक होना चाहिए। कलश से तात्पर्य है कि स्वच्छता रहने पर ही स्वास्थ्य रूपी समृद्धि आती है। मान्यता के अनुसार, इस व्रत को रखने से शीतला देवी प्रसन्न होती हैं और व्रती के कुल में चेचक, खसरा, दाह, ज्वर, पीतज्वर, दुर्गंधयुक्त फोड़े और नेत्रों के रोग आदि दूर हो जाते हैं। माता के रोगी के लिए यह व्रत बहुत मददगार है। आमतौर पर, शीतला रोग के आक्रमण के समय रोगी दाह (जलन) से निरंतर पीड़ित रहता है। उसे शीतलता की बहुत जरूरत होती है। गर्दभ पिंडी (गधे की लीद) की गंध से फोड़ों का दर्द कम हो जाता है। नीम के पत्तों से फोड़े सड़ते नहीं है और जलघट भी उसके पास रखना अनिवार्य है। इससे शीतलता मिलती है। लोक किंवदंतियों के अनुसार बसौड़ा की पूजा माता शीतला को प्रसन्न करने के लिए की जाती है। कहते हैं कि एक बार किसी गांव में गांववासी शीतला माता की पूजा-अर्चना कर रहे थे तो मां को गांववासियों ने गरिष्ठ भोजन प्रसादस्वरूप चढ़ा दिया। शीतलता की प्रतिमूर्ति मां भवानी का गर्म भोजन से मुंह जल गया तो वे नाराज हो गईं और उन्होंने कोपदृष्टि से संपूर्ण गांव में आग लगा दी। बस केवल एक बुढिया का घर सुरक्षित बचा हुआ था। गांव वालों ने जाकर उस बुढिया से घर न जलने के बारे में पूछा तो बुढिया ने मां शीतला को गरिष्ठ भोजन खिलाने वाली बात कही और कहा कि उन्होंने रात को ही भोजन बनाकर मां को भोग में ठंडा-बासी भोजन खिलाया। जिससे मां ने प्रसन्न होकर बुढिया का घर जलने से बचा लिया। बुढिया की बात सुनकर गांव वालों ने शीतलामाता से क्षमा मांगी और रंगपंचमी के बाद आने वाली सप्तमी के दिन उन्हें बासी भोजन खिलाकर मां का बसौड़ा पूजन किया। संसार में दो प्रकार के प्राणी होते है। पहला सौर शक्ति प्रधान और दूसरा चान्द्र शक्ति प्रधान। सौर शक्ति के बारे में कहा जाता है कि सौर शक्ति जीव बहुत चंचल, चुलबुले, तत्काल बिगड़ उठने वाले और असहनशील होते हैं जबकि चान्द्र शक्ति प्रधान व्यक्ति इसके विपरीत होते है। चान्द्र शक्ति प्रधान जीवों में प्रमुख गधा ही माता शीतला का वाहन हो सकता है। यहां गधा संकेत देता है कि चामुण्डा के आक्रमण के समय रोग का अधिक प्रहार सहन करते हुए रोगी को कभी अधीर नहीं होना चाहिए। इसके अतिरिक्त शीतला रोग में गर्दभी का दूध, गधा लोटने के स्थान की मिट्टी और गधों के संपर्क का वातावरण उपयुक्त समझा जाता है। कहते हैं कि कुम्हार को चामुण्डा का भय नहीं होता है। वहीं ऊंट वाले को कभी पेट का रोग नहीं होता। चामुण्डा शववाहना के अनुसार चामुण्डा का वाहन शव होता है। इसका तात्पर्य यह है कि चामुण्डा से आक्रान्त रोगी को शव की भांति निश्चेष्ट होकर उचित समय की प्रतीक्षा करनी चाहिए।

सू-दोकू नवताल -2076

7	6			5		1	3	8
4	1		7		6			
		3			2			4
	7							
3	2		1		8		4	9
							2	
6			9			2		
			5		4		8	1
1	8	5		2			9	6

सू-दोकू -2075 का हल

7	4	9	8	3	5	6	2	1
6	1	5	7	2	4	3	9	8
2	8	3	9	6	1	4	7	5
4	7	8	2	1	6	9	5	3
5	3	1	4	7	9	8	6	2
9	6	2	5	8	3	1	4	7
1	9	7	6	5	8	2	3	4
3	5	6	1	4	2	7	8	9
8	2	4	3	9	7	5	1	6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2076

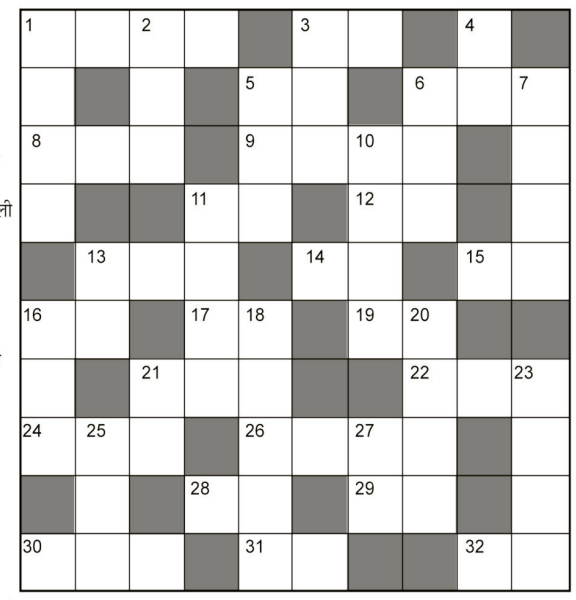

बायें से दायें:-

1. 'किसी नजर को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, सुरेश, डिम्पल की फिल्म-4
3. बॉबी, लारा, गुल पनाग की 'मैं यहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-2
5. जैकी श्राफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'ना जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-2
6. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-3
8. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'छेड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-3
9. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-2,2
11. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-2
12. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-2
13. शशिकपूर, शबाना आजमी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-3
14. फिल्म 'बारिश' में नायिका कौन थी-2
15. सलमान, नगमा की 'कैसा लगता है अच्छा लगता है' गीत वाली फिल्म-2
16. 'तू कितने बरस की' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-2
17. फिल्म 'निगाहें' में नायक कौन था-2
19. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-2
21. धारावाहिक 'एहसास' में 'तराना' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-3
22. 'पुलिस केस ना' गीत वाली जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की फिल्म-3
24. अमिताभ, वहीदा, जीनत, की 'हर गोरी रानी यहाँ' गीत वाली फिल्म-3
26. 'पराई हूँ पराई' गीत वाली शशिकपूर, आशा की फिल्म-4
28. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-2
29. 'बाबूल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-2
30. राजबब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो जमुना' गीत वाली फिल्म-3
31. सलमान, स्नेहा की एक फिल्म-2
32. फारूख शेख, पूनम की 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

10. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-2,2
11. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, हेमा की फिल्म-4
13. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-2
16. 'तिनका तिनका जरा जरा' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-3
18. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-5
20. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-2
23. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-2,2
25. नसीरूद्दीनशाह, रंजीता, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझमें' गीत वाली फिल्म-3
27. 'दिल के टुकड़े टुकड़े कर के' गीत वाली अमजद खान, बिंदियागोस्वामी की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2075

मु	सा	फि	र		ड	कै	त		गा
क्ति		दा	न	वी	र		क्ष	त्रि	य
	री			र		श	क		ब
गु	ना	ह		ता	ल			क	
म		वा	दा		ग	र्व		सू	र्या
ना	ना		मि	ल	न		सु	र	
म		सु	नी	ल		रा	जा		ए
	ने	हा		का	श		ता	क	त
क्रो		ग	द	र		दे			रा
ध	र्मा		म		रा	व	ण	रा	ज

1. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नजर आ रहा है' गीत वाली फिल्म-4
2. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-3
3. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-3
4. 'दुल्हन बनती हैं नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-2
5. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-3
6. 'डोन्ट से नो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-3
7. 'जैसी करनी वैसी भरनी' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-4

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिटकॉइन, इथेरियम और डॉगकोइन में जोरदार बढ़ोतरी

मुंबई ।

बिटकॉइन के दाम गुरुवार को 2.3 फीसदी बढ़कर 42,000 डॉलर के उच्च स्तर पर पहुंच गए हैं। डिजिटल टोकन 42,837 डॉलर पर कारोबार कर रहा है। हालांकि, दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी 2022 में लगभग 8 फीसदी नीचे है। जबकि पिछले साल नवंबर में लगभग 69,000 डॉलर के अपने रिकॉर्ड हाई से लगभग 30 फीसदी कम है। वहीं ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप 2.03 ट्रिलियन डॉलर पर आ गया है। कुल क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग वॉल्यूम 98.3 बिलियन डॉलर का देखने को मिली है। पिछले 24 घंटों में डॉगकोइन 11.8 फीसदी बढ़कर 0.135805 डॉलर हो गया, जबकि शीबा इनु 6.2 फीसदी बढ़कर 0.00002464 डॉलर हो गया। एक रिपोर्ट के अनुसार यूएस फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने कहा कि डिजिटल करेंसी के नए रूप जैसे कि क्रिप्टोकरेंसी और स्टेबल कॉइन अमेरिकी फाइनेंशियल सिस्टम के लिए रिस्की हैं और उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए नए नियमों की आवश्यकता होगी। पॉवेल ने बुधवार को केंद्रीय बैंकरों के एक वैश्विक संगठन, बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स द्वारा आयोजित एक पैनल में कहा कि नई टेक्नोलॉजी इलेक्ट्रॉनिक भुगतान को सस्ता और तेज कर देंगी लेकिन वे मौजूदा वित्तीय संस्थानों को भी अस्थिर कर सकते हैं। पॉवेल ने उपभोक्ताओं और व्यापक फाइनेंशियल सिस्टम सहित डिजिटल फाइनेंस के विकास से उपजी कई जोखिमों को अंडरलाइन किया।

फेड यह भी पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि मंदी के दौरान बिटकॉइन जैसी डिजिटल संपत्ति वित्तीय बाजारों को कैसे प्रभावित कर सकती है। पॉवेल ने यह भी कहा कि क्रिप्टो संपत्ति का उपयोगअवैध गतिविधि के लिए किया गया है, जैसे कि मनी लॉन्ड्रिंग और हमें इसे रोकने की आवश्यकता है।

कोटक महिंद्रा और एक्सिस बैंक ने ओएनडीसी में 8-8 हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली ।

कोटक महिंद्रा बैंक और एक्सिस बैंक ने ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) में 7.84-7.84 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है। दोनों बैंकों ने इस इकाई में 10-10 करोड़ रुपए का निवेश किया है। कोटक महिंद्रा बैंक ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि बैंक ने ओएनडीसी के 10,00,000 इक्विटी शेयरों का अधिग्रहण किया है। इससे 22 मार्च तक ओएनडीसी में उसकी हिस्सेदारी 7.84 प्रतिशत हो गई है। एक्सिस बैंक ने अलग से भेजी सूचना में कहा कि ओएनडीसी ने 22 मार्च को एक्सिस बैंक को 100 रुपए अंकित मूल्य वाले 10 लाख इक्विटी शेयर आवंटित किए हैं।

एक्सिस बैंक ने अलग से भेजी सूचना में कहा कि ओएनडीसी ने 22 मार्च को एक्सिस बैंक को 100 रुपए अंकित मूल्य वाले 10 लाख इक्विटी शेयर आवंटित किए हैं। इस आवंटन के बाद

ओएनडीसी में बैंक की हिस्सेदारी 7.84 प्रतिशत हो गई है। गौरतलब है कि ओएनडीसी का गठन भारत में 30 दिसंबर, 2021 को किया गया था। कंपनी वस्तुओं और सेवाओं दोनों के लिए भारतीय डिजिटल वाणिज्य पारिस्थितिकी तंत्र के विकास और बदलाव को एक खुला सार्वजनिक डिजिटल बुनियादी ढांचा तैयार करती है।

चालू वित्त वर्ष में सीमेंट उद्योग मात्रा के लिहाज से 18 से 20 फीसदी बढ़ेगी

नई दिल्ली ।

सीमेंट उद्योग में चालू वित्त वर्ष 2021-22 में मात्रा के आधार पर 18 से 20 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है और यह महामारी-पूर्व के स्तर पर पहुंच सकती है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इक्रा ने बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा कि कच्चे माल की कीमतों में उछाल के कारण चालू वित्त वर्ष में परिचालन मार्जिन 4.4 से 4.8 प्रतिशत घटकर 19.8 से 20.2 प्रतिशत रह सकता है। रिपोर्ट में कहा गया कि सीमेंट उद्योग मात्रा के आधार पर वित्त वर्ष 2021-22 में 18 से 20 प्रतिशत बढ़कर 35.5 करोड़ टन पर पहुंच सकता है, जो कोविड महामारी-पूर्व के स्तर से छह प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में घरों की मजबूत मांग और आधारभूत संरचना की गतिविधियों में तेजी से यह वृद्धि संभव है। इक्रा की एवीपी और क्षेत्र प्रमुख (कॉरपोरेट रेटिंग्स) अनुपमा रेड्डी ने कहा कि बिक्री प्राप्तियों में पांच प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले परिचालन मार्जिन (ओपीबीआईटीडीए) चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में प्रति टन 10 प्रतिशत घटकर 1,124 रुपये रह गया है। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में प्रति टन 10 प्रतिशत घटकर 1,124 रुपये रह गया है। उन्होंने बताया कि ऐसा कच्चे माल, बिजली और ईंधन, ढुलाई की कीमतों में उछाल के कारण हुआ है, जो सालाना आधार पर क्रमशः12, 31 और पांच प्रतिशत बढ़े हैं।

एमडीएच ने अपना कारोबार हिंदुस्तान यूनिलीवर को बेचने की खबरें खा रिज कीं

नई दिल्ली ।

अग्रणी मसाला कंपनी एमडीएच लिमिटेड ने अपना कारोबार दिग्गज एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) को बेचने की संभावना को खारिज किया है। जानकारी के मुताबिक एमडीएच के प्रवर्तक अपना मसाला कारोबार एचयूएल को बेचने के सिलसिले में बात कर रहे हैं। एमडीएच ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक संदेश में इस तरह की खबरों को पूरी तरह गलत, मनगढ़ंत और निराधार बताते हुए कहा कि लोगों को ऐसी अफवाहों पर भरोसा नहीं करना चाहिए। एमडीएच के चेयरमैन राजीव गुलाटी ने अपने संदेश में कहा कि एमडीएच प्राइवेट लिमिटेड एक ऐसी विरासत है जिसे महाशय चिमीलाल जी और महाशय धर्मपाल जी ने पूरी जिंदगी आगे बढ़ाया। हम अपने पूरे दिल से इस विरासत को आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दैनिक उपभोग के उत्पाद बनाने वाली कंपनी एचयूएल ने भी एमडीएच के साथ बातचीत चलने से जुड़ी खबर पर कोई प्रतिक्रिया देने से मना कर दिया है। कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा कि हम बाजार की अटकलों पर प्रतिक्रिया नहीं देते हैं। हाल ही में एक रिपोर्ट में कहा गया था कि एचयूएल की एमडीएच में बहुलांश हिस्सेदारी की खरीद के लिए

बातचीत चल रही है। इस सौदे का मूल्य 10,000 करोड़ रुपए से लेकर 15,000 करोड़ रुपए के बीच रहने की संभावना भी जताई गई थी।

एफएमसीजी क्षेत्र की अन्य बड़ी कंपनियों आईटीसी और टाटा कंज्यूमर्स लिमिटेड ने पिछले कुछ समय में मसाला कारोबार में अपनी मौजूदगी बढ़ाई है। आईटीसी ने वर्ष 2020 में सनराइज फूड्स का 2,150 करोड़ रुपए में अधिग्रहण किया था।

संक्षिप्त समाचार

देश में अगले दो दशकों में 2,000 विमानों की जरूरत : एयरबस

हैदराबाद । दिग्गज विमान विनिर्माता एयरबस का कहना है कि भारत में विमानन परिदृश्य बेहतर होने से यहां पर अगले दो दशकों में एयरबस के एयरलाइन विपणन प्रमुख (भारत एवं दक्षिण एशिया) ब्रेंट मैकब्रैटनी ने कहा कि भारत में अगले दो दशकों में बड़ी संख्या में नए विमानों की जरूरत पैदा होगी। इनमें से 1,770 विमान छोटे आकार के होने चाहिए जबकि 440 विमान मध्यम एवं बड़े आकार वाले चाहिए। मैकब्रैटनी ने कहा कि भारतीय विमानन परिदृश्य के विस्तार की संभावनाओं को देखते हुए उसे वर्ष 2040 तक 34,000 अतिरिक्त पायलट और 45,000 तकनीकी स्टाफ की भी जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि भारत में हवाई परिवहन के अगले दो दशकों में 6.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना है।

पेट्रोल और डीजल में तेजी से महंगाई और बढ़ने की संभावना

नई दिल्ली । रूस और यूक्रेन युद्ध के कारण क्रूड में तेजी के बीच पिछले दो दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 1.60 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। एलपीजी के दाम भी

बढ़े हैं। खुदरा ईंधन विक्रेता कंपनियों के अधिकारियों का कहना है कि आने वाले समय में पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की कीमतों में और बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। कुल मिलाकर इससे महंगाई के और बढ़ने की संभावना है। पिछले साल नवंबर के बाद से ब्रेंट क्रूड की कीमतों में 40 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। ईसीआरए लिमिटेड में कॉरपोरेट रेटिंग के एक वे रिष्ठ अे धिकारी का कहना है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें आगे अभी और बढ़नी हैं। ईंधन की बढ़ती कीमतों से भारतीय परिवारों पर दबाव बढ़ सकता है। इससे वस्तुओं और सेवाओं की मांग में कमी आ सकती है। तेज आर्थिक विकास के लिए ब्याज दरों को कम रखने की आरबीआई की प्रतिबद्धता पर भी महंगाई का दबाव पड़ेगा। पूरे साल के लिए ईंधन की कीमतों में 10 फीसदी की बढ़ोतरी से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई यानी खुदरा महंगाई 42 बेसिस प्वाइंट और थोक महंगाई 100 बेसिस प्वाइंट तक बढ़ जाती है। क्रू में मौजूदा तेजी न सिर्फ अर्थव्यवस्था पर महंगाई का दबाव बढ़ाएगी बल्कि निजी खपत पर भी इसका प्रभाव दिखेगा।

पिछले महीने टीवीएस जुपीटर की हुई बंपर बिक्री

नई दिल्ली । टीवीएस कंपनी का नया स्कूटर जुपीटर पिछले महीने कंपनी का सबसे ज्यादा बिकने वाला स्कूटर रहा, जिसे 40 हजार से ज्यादा लोगों ने खरीदा। बता दें कि कंपनी ने कुछ समय पहले ही 125 सीसी सेगमेंट में अपनी टीवीएस जुपिटर का नया मॉडल लॉन्च किया है। टीवीएस मोटर कंपनी भारतीय बाजार में अपने टीवीएस जुपिटर, टीवीएस एक्सएल, टीवीएस एनटॉर्क, टीवीएस अपाचे, रेडर, टीवीएस स्पोर्ट, पेप प्लस, टीवीएस स्टार सिटी प्लस, जेस्ट, टीवीएस आरआर 310 के साथ टीवीएस आईक्यूब की बिक्री करती है। टीवीएस आईक्यूब कंपनी का इलेक्ट्रिक स्कूटर है।टीवीएस स्पोर्ट कंपनी की सबसे ज्यादा माइलेज देने वाली बाइक है। टीवीएस आरआर 310 कंपनी की सुपरफास्ट स्पोर्ट्स बाइक है। जबकि, टीवीएस स्टार सिटी प्लस, टीवीएस रेडीयन और टीवीएस अपाचे लोकप्रिय बाइक्स हैं। वहीं, टीवीएस जुपीटर और टीवीएस राइडर कंपनी की तरफ से हाल ही में 125 सीसी सेगमेंट में लॉन्च किए गए नए टू-व्हीलर्स हैं।

हीरो मोटोकॉर्प ने किसी भी तरह के गलत काम से इनकार किया

नई दिल्ली । टैक्स चोरी के आरोप में छापेमारी का सामना करने वाली कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने किसी भी तरह के गलत काम से इनकार

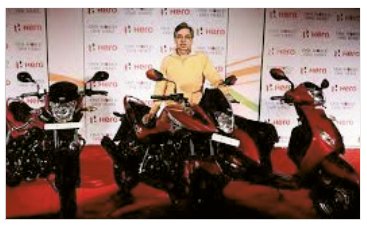

किया है। कंपनी ने तलाशी अभियान को रूटीन जांच बताते हुए कहा है कि ये वित्तीय वर्ष के अंत में असामान्य नहीं है। कंपनी के चेयरमैन पवन मुंजाल के घर पर भी छापा मारा गया था। मुंजाल ने हितधारकों को आश्वस्त किया है कि कंपनी हमेशा की तरह बिजनेस जारी रखेगी। अधिकारियों के अनुसार, कर विभाग के अफसरों ने कंपनी और इसके प्रमोटर्स के वित्तीय दस्तावेजों और अन्य व्यापारिक लेनदेन की जांच की। कंपनी की ओर से एक बयान में कहा गया है, आयकर विभाग के अधिकारियों ने दिल्ली और गुरुग्राम में हमारे दो ऑफिसों और हमारे चेयरमैन व सीईओ डॉ.पवन मुंजाल के घर का दौरा किया। हमें बताया गया है कि यह एक पवन मुंजाल के घर का दौरा किया। हमें बताया गया है कि यह एक रूटीन जांच है जो कि वित्तीय वर्ष के अंत में असामान्य बात नहीं है। देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी ने कहा है कि वह कार्पोरेट गवर्नेंस के उच्च मानकों का पालन करती है।

एचडीएफसी और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने की एथर एनर्जी से साझेदारी

मुंबई । इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निर्माता एथर एनर्जी ने अपने ई-स्कूटरों के लिए खुदरा वित्त की पेशकश करने के लिए एचडीएफसी बैंक और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के साथ साझेदारी की है। एथर एनर्जी ने गुरुवार को कहा कि इस साझेदारी से कंपनी ई-स्कूटर के ग्राहकों को फौरन कर्ज की सुविधा दे पाएगी। निजी क्षेत्र के दोनों बैंक खरीदारों को कम ब्याज दरों पर अधिकतम कर्ज उपलब्ध कराएंगे। कंपनी ने कहा कि उसके ग्राहक खरीद के समय वाहन की कीमत के 95 फीसदी तक कर्ज लेना पसंद करते हैं और इसकी अवधि 2-3 साल रखना चाहते हैं। उसने कहा कि वित्तपोषण की सुविधा होने से ग्राहकों के लिए इलेक्ट्रिक वाहन खरीदना आसान हो जाता है। एथर एनर्जी ने कहा कि टियर-2 एवं टियर-3 शहरों में विस्तार को देखते हुए बिना क्रेडिट इतिहास वाले ग्राहकों को वाहन कर्ज मुहैया कराना काफी अहम है। इसमें एचडीएफसी बैंक और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के साथ साझेदारी काफी मददगार होगा। एथर एनर्जी के मुख्य कारोबार अधिकारी रवनीत फोकेला ने कहा कि हमें भरोसा है कि एचडीएफसी बैंक और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के साथ साझेदारी से ग्राहकों के लिए बैंक के साथ साझेदारी से ग्राहकों के लिए वाहन खरीद पाना आसान हो जाएगा और इलेक्ट्रिक वाहन के शौकीनों का विश्वास भी बढ़ेगा।

रसोई गैस के बाद सीएनजी और पीएनजी हुई महंगी

नई दिल्ली ।

पेट्रोल-डीजल सहित रसोई गैस गैस की कीमतें बढ़ने के बाद गुरुवार को सीएनजी और पीएनजी की कीमतें बढ़ाई गई हैं। घरेलू पीएनजी की कीमत में 1.00 रुपए प्रति एससीएम की वृद्धि की गई है, हालांकि बढ़ी हुई कीमतें पूरे देश में नहीं बल्कि दिल्ली और उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर में लागू होंगी। इसके अलावा राजधानी दिल्ली में सीएनजी के दामों में 50 पैसे की बढ़ोतरी की गई है। राहत की बात यह है कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किए गए हैं। इससे पहले लगतार दो दिन इसमें 80-80 पैसे की वृद्धि की गई थी। वहीं मंगलवार को एलपीसी रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में भी 50 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी। पाइप्ड नैचुरल गैस यानि पीएनजी गुरुवार से और महंगी हो गई है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने दिल्ली-एनसीआर में पीएनजी की कीमतों में एक रुपए प्रति एससीएम की वृद्धि की है। कीमतों में यह बढ़ोतरी 24 मार्च गुरुवार से लागू हो रही है। ऐसे में अब दिल्ली में पीएनजी गैस 36.61 रुपए से बढ़कर 37.61 रुपए प्रति एससीएम हो गई है। गौतम बुद्ध नगर में भी पीएनजी गैस के लिए 35.86 रुपए प्रति एससीएम अब चुकाने होंगे। इसके अलावा सीएनजी के दाम में 50 पैसे प्रति किलो की वृद्धि की गई है। यह वृद्धि भी गुरुवार

सुबह 6 बजे से लागू हो गई है। दिल्ली में सीएनजी की कीमत अब 59.01 रुपए प्रति किलो हो जाएगी।

भारत अपनी 85 प्रतिशत पेट्रोलियम जरूरतों को आयात के जरिए पूरा करता है। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद कच्चे तेल की कीमतों में पिछले महीने से ही खासा उछाल देखा जा रहा है। बाजार के विशेषज्ञों का कहना है कि कच्चे तेल के दाम 100-120 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में रहने पर पेट्रोलियम कंपनियों को डीजल में प्रति लीटर 13.1-24.9 रुपए की बढ़ोतरी करने की जरूरत होगी जबकि पेट्रोल के मामले में यह वृद्धि 10.6-22.3 रुपए प्रति लीटर तक हो सकती है।

सोना-चांदी हुआ सस्ता, 68 हजार के नीचे पहुंची चांदी

बिजनेस डेस्क।

बुधवार के कारोबार में सोने की कीमत में मामूली गिरावट दर्ज की गई। साथ ही चांदी की कीमत भी सस्ती हो गई। यूएस फेड द्वारा हाल ही में की गई टिप्पणी से पीली धातु प्रभावित हुई। साथ ही रूस द्वारा यूक्रेन पर किए गए हमले से भी यह प्रभावित हुआ। सुबह 9.10 बजे सोने का वायदा भाव 8 रुपए गिरकर 51,371 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। यह रेट 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का है। इसी तरह, चांदी की कीमतों में भी बदलाव आया और एमसीएक्स पर 78 रुपए कमजोर होकर वायदा भाव 67,614 रुपए प्रति किलोग्राम पहुंच गया। चांदी पिछले कुछ सत्र से 68 हजार के ऊपर बनी हुई थी । भारतीय वायदा बाजार में जहां सोने-चांदी की कीमतों में नरमी आई है, वहीं ग्लोबल मार्केट में इसके दाम बढ़ गए हैं। न्यूयॉर्क के बाजार में सोना 0.031 फीसदी चढ़कर 1,922.28 डॉलर प्रति औंस के भाव बिक रहा है। इसी तरह, चांदी की कीमतों में भी 0.16 फीसदी का उछाल आया और 24.84 डॉलर प्रति औंस के भाव पहुंच गई।

हुंदै मोटर इंडिया फाउंडेशन ने चेन्नई के अस्पताल में सबसे बड़ा ऑक्सीजन संयंत्र लगाया

चेन्नई, । वाहन क्षेत्र की कंपनी हुंदै मोटर इंडिया की परमार्थ इकाई हुंदै मोटर इंडिया फाउंडेशन ने बृहस्पतिवार को चेन्नई में 550 लीटर प्रति मिनट के ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र का उद्घाटन किया। यह फाउंडेशन द्वारा स्थापित सबसे बड़ा ऑक्सीजन संयंत्र है। इस संयंत्र में अस्पताल के 150 बिस्तर (बेड) की ऑक्सीजन की आवश्यकता को पूरी करने की क्षमता है। यह संयंत्र कोविड-19 और अन्य बीमारियों से पीड़ित मरीजों की जरूरत को पूरा करेगा। हुंदै मोटर इंडिया फाउंडेशन के न्यासी गणेश मणि ने कहा, ''महामारी ने हमें किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटने के लिए तैयार किया है। हम चिकित्सक समुदाय और स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए अपना योगदान दे रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''गंभीर रोगियों के जीवन के लिए ऑक्सीजन की निरंतर आपूर्ति आवश्यक है। इसी वजह से हमने यह सुविधा स्थापित की है।'' उन्होंने कहा, ''गंभीर रोगियों के जीवन के लिए ऑक्सीजन की निरंतर आपूर्ति आवश्यक है। इसी वजह से हमने यह सुविधा स्थापित की है।'' उल्लेखनीय है कि फाउंडेशन ने देश में सात ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित किए हैं। इनमें से तीन संयंत्र तमिलनाडु में हैं।

नई स्लाविया के लिए कम सर्विस लागत की घोषणा

नई दिल्ली । ऑटोमोबाइल सेक्टर की जानी-मानी कंपनी स्कोडा ऑटो इंडिया ने नई स्कोडा स्लाविया सेडान के लिए सर्विस लागत का ऐलान किया है। इसकी शुरुआत 0.46 रुपये प्रति किलोमीटर से हो रही है। इस लागत की गणना 5 साल या 75 हजार किलोमीटर, जो भी इनमें से पहले आए की अवधि के लिए की गई है। स्लाविया सेडान में स्टैंडर्ड तौर पर 4 साल या 100,000 किलोमीटर, इनमें से जो भी पहले आए की वारंटी की पेशकश की गई है। इसमें वारंटी को 150,000 किलोमीटर के साथ 5 या 6 साल (जो भी पहले हो) के लिए बढ़ाने का विकल्प भी है। वारंटी के अलावा, ग्राहक 24,499 रुपये से शुरू हो रहे स्कोडा सुपरकेयर प्री-पेड पैकेज के तहत संपूर्ण लागत को और कम कर सकते हैं। इन मेंटेनेंस पैकेज को स्टैंडर्ड, एक्सटेंडेड और कॉम्प्रीहेंसिव के तहत कैटेगराइज किया गया है, जिसमें पहले से परिभाषित मेनटेनेंस और लागतों के अंतर्गत अलग-अलग सीमित और विस्तारित वियर एंड टियर आइटम शामिल हैं। इससे ग्राहकों को कीमत की गारंटी मिलती है और महंगाई एवं कीमतों में उतार-चढ़ाव से सुरक्षा भी मिलती है। बता दें कि स्कोडा ऑटो इंडिया ने नई स्लाविया 1.0 टीएसआई सेडान को 28 फरवरी 2022 को लॉन्च किया था। परफॉर्मेंस-ओरिएंटेड 1.5 टीएसआई सेडान को 3 मार्च 2022 को बाजार में उतारा गया। दोनों उत्पादों की बुकिंग एवं डिलीवरी जोरशोर ढंग से चल रही है। स्कोडा सुपरकेयर एवं एक्सटेंडेड वारंटीज को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि ग्राहक के लिए स्लाविया रखना बिल्कुल परेशानीरहित हो जाता है। साथ ही सेडान की रिसाड्युअल कॉस्ट भी बढ़ जाती है क्योंकि ये फायदे अगले मालिक को भी मिलते हैं।

कंपनी ने नवीनतम फ्लैगशिप स्मार्टफोन को किया टीज

वनप्लस 10 प्रो लॉन्च करने की तैयारी पूर्ण

नई दिल्ली ।

स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी वनप्लस भारत में वनप्लस 10 प्रो लॉन्च करने के लिए पूरी तरह तैयार है। भारत में वनप्लस 10 प्रो की लॉन्च डेट का खुलासा किए बिना कंपनी ने देश में अपने नवीनतम फ्लैगशिप स्मार्टफोन को टीज किया है। बीते दिनों भारत में लॉन्च किए गए वन 10प्रो और वनप्लस नोर्ड सीई2 5 जी के अलावा, वनप्लस के पास अपने यूजर्स के लिए काफी कुछ है। हाल ही में एक लीक ने कथित तौर पर 2022 के लिए कंपनी की योजनाओं पर ध्यान खींचा है, जिसमें बीबीके इलेक्ट्रॉनिक्स के स्वामित्व वाले ब्रांड से प्रमुख स्मार्टफोन लॉन्च की टाइम लाइन का खुलासा किया गया है। जानकारी के अनुसार, मार्च में वनप्लस 10 प्रो लॉन्च के बाद, कंपनी अगले महीने अप्रैल में वनप्लस नॉर्ड सीई 2 लाइट, अप्रैल के अंत में वनप्लस नॉर्ड 2 टी या मई की शुरुआत में, वनप्लस 10 आर को मई में, वनप्लस नॉर्ड 3 को लॉन्च करेगी। जिसे वनप्लस नॉर्ड प्रो भी कहा जा सकता है, जुलाई 2022 में लॉन्च किया जाएगा, और वनप्लस 10 अल्ट्रा भी होगा, जो 2022 की तीसरी तिमाही में लॉन्च होगा। वनप्लस 10 अल्ट्रा को देश में वनप्लस की ओर से आखिरी लॉन्च कहा जा रहा है। वनप्लस के इस महीने के अंत में भारत में वनप्लस 10 प्रो लॉन्च करने की उम्मीद है। वनप्लस 10 प्रो कंपनी की नवीनतम फ्लैगशिप पेशकश है जिसे पहले चीन में लॉन्च किया गया था। वनप्लस नॉर्ड सीई 2 लाइट के इस साल की शुरुआत में लॉन्च किए गए वनप्लस नॉर्ड सीई 2 5 जी के सस्ते और अधिक टोंड डाउन संस्करण के रूप में आने की उम्मीद है। वनप्लस नोर्ड सीई 2 लाइट की भारत में कीमत लगभग 20,000 रुपये होने की उम्मीद है।

वनप्लस के वनप्लस 10 अल्ट्रा को लॉन्च करने की भी अफवाह है। यह रिपोर्ट्स का सुझाव है कि स्मार्टफोन निर्माता की ओर से एक अल्ट्रा-प्रीमियम पेशकश होगी और यह वनप्लस 10 प्रो के ऊपर बैठेगी। इस साल भी, अभी तक टीसीरीज वनप्लस 10टी की कोई रिपोर्ट नहीं आई है।

Sports

प्रणव ने विश्व पैरा एथलेटिक्स में स्वर्ण जीता

दुबई । भारतीय फर्राटा धावक प्रणव प्रशांत देसाई ने दुबई 2022 विश्व पैरा एथलेटिक्स मुकाबले में स्वर्ण पदक जीता है। प्रणव ने पुरुषों की 200 मीटर टी 64 फाइनल में यह स्वर्ण जीता। भारत का दिन भर में यह एकमात्र पदक रहा है। इस चैंपियनशिप में प्रणव ने अंत तक अपना प्रभाव बनाये रखते हुए 24.42 सेकंड में ही जीत दर्ज कर ली। वहीं थाईलैंड को दूसरा और नॉर्वे को तीसरा स्थान मिला है। प्रणव ने अपनी जीत पर उत्साहित होते हुए कहा , मैं यहां स्वर्ण जीतने के लक्ष्य के साथ आया था। मुझे खुशी है कि मैंने शुरुआत से लेकर अंत तक अपना दबदबा बनाये रखा। मैं पिछले कुछ महीनों से अपनी गति स्पीड पर काम कर रहा था और मुझे अपनी योजना के सफल रहने पर खुशी हुई है। मेरा लक्ष्य पैरा एशियाई खेलों में 100 और 200 मीटर में स्वर्ण पदक जीतकर 2024 के पैरा ओलम्पिक के लिए प्रवेश हासिल करना है।

आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप : इंग्लैंड ने पाकिस्तान को 9 विकेट से हराया

क्राइस्टचर्च ।

कैथरीन ब्रंट और सोफी एक्लेस्टोन की शानदार गेंदबाजी के बाद डेनिएल व्याट के शानदार अर्धशतक 76 रनों की सहायता से इंग्लैंड ने आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप क्रिकेट मुकाबले में पाकिस्तान को आसानी से 9 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बनी हुई हैं पर पाक टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। इस मैच में टॉस जीतकर इंग्लैंड ने पाकिस्तान को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। पाकिस्तान की टीम इंग्लैंड के गेंदबाजों का सामना नहीं कर पायी और 41.3 ओवरों में ही 105 रन बनाकर आउट हो गयी। सबसे अधिक 32 रन सिदरा अमीन ने बनाये।

वहीं अन्य बल्लेबाज असफल रहीं। इंग्लैंड की ओर से कैथरीन ने 17 रन देकर तीन जबकि सोफी ने भी 18 रन देकर तीन खिलाड़ियों को आउट किया। इसके बाद जीत के लिए मिले 106 रनों के लक्ष्य को इंग्लैंड ने अनुभवी बल्लेबाज व्याट की पारी से 19.2 ओवरों में ही एक विकेट पर 107 रन बना कर हासिल कर लिया। इंग्लैंड ने अनुभवी बल्लेबाज व्याट की पारी से 19.2 ओवरों में ही एक विकेट पर 107 रन बना कर हासिल कर लिया। इंग्लैंड ने अनुभवी बल्लेबाज व्याट की पारी से 19.2 ओवरों में ही एक विकेट पर 107 रन बना कर हासिल कर लिया। व्याट ने 11 चौकों की मदद से 68 गेंदों पर 76 रन बनाये , वहीं कप्तान हीथर नाइट ने 24 रनों का योगदान दिया। इस बड़ी जीत के साथ इंग्लैंड की टीम दो अंक हासिल कर अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गयी है। उसके छह मैचों में तीन जीत और तीन हार के साथ ही छह अंक हो गये हैं। दूसरी ओर पाक टीम छह दूसरी ओर पाक टीम छह में से पांच मैच हारने के कारण दो अंकों के साथ सबसे निचले क्रम पर है।

आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्वकप : दक्षिण अफ्रीका टीम सेमीफाइनल में पहुंची

वेलिंगटन ।

दक्षिण अफ्रीका की टीम आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप क्रिकेट मुकाबले के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। दक्षिण अफ्रीकी टीम आसानी से सेमीफाइनल में पहुंच गयी क्योंकि वेस्टइंडीज के खिलाफ लीग चरण का मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया। इस मैच के रद्द होने से दोनो ही टीमों को बराबर एक-एक अंक मिले जिससे दक्षिण अफ्रीका के छह मैचों में नौ अंक हो गए हैं और वह ऑस्ट्रेलिया के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली दूसरी टीम बन गई है। वहीं वेस्टइंडीज की टीम लीग चरण के मैच समाप्त होने के साथ ही सात मैचों में सात अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। इस मैच में केवल 10.5 ओवर का खेल हो पाया। दक्षिण अफ्रीकी महिला टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 61 रन बनाए। तभी बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। इसके बाद आगे खेल नहीं हो पाया। वेस्टइंडीज ने इस मैच में टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। उसकी ओर से चिनेली हेनरी ने 19 रन देकर तीन जबकि शमिलिया कोनेल ने 18 रन देकर एक विकेट लिया। इसके बाद आगे खेल नहीं हो पाया। वेस्टइंडीज ने इस मैच में टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। उसकी ओर से चिनेली हेनरी ने 19 रन देकर तीन जबकि शमिलिया कोनेल ने 18 रन देकर एक विकेट लिया। इसके बाद मिगनोन डु प्रीज ने नाबाद 38 रन बनाये जबकि मारिजान कैप पांच रन बनाकर नाबाद रहीं। लगातार बारिश होने के कारण मैच आगे नहीं हो पाया।

मोईन को वीजा मिला , दूसरा मैच खेलेंगे : विश्वनाथन

नई दिल्ली । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के सीईओ कासी विश्वनाथन ने कहा है कि ऑलराउंडर मोईन अली को भारत का वीजा मिल गया है और वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दूसरे मैच में खेलेंगे। मोइन को हालांकि भारत पहुंचने के बाद अपनी टीम से जुड़ने से पहले तीन दिन तक के लिए पृथकवास में रहना होगा और इस कारण वह कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ शनिवार को होने वाले पहले मैच में नहीं खेलेंगे। विश्वनाथन ने कहा, 'मोईन को वीजा मिल गया है और वह मुंबई पहुंचने के बाद तीन दिन का पृथकवास पूरा कर दूसरे मैच में खेलेंगे। गौरतलब है कि मोइन को पाक मूल का होने के कारण देर से वीजा मिला है। मोईन के दादा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से इंग्लैंड चले गए थे लेकिन मोईन का जन्म इंग्लैंड में हुआ है और वह आमतौर पर भारत आते रहते हैं। आईपीएल के 15 वें सत्र का पहला मैच शनिवार को वानखेड़े स्टेडियम में सीएसके और पिछले साल की उप-विजेता केकेआर के बीच होगा। वहीं सीएसके को अपना दूसरा मैच 31 मार्च को लखनऊ सुपर जायंट्स से खेलना है। मोईन को पिछले सत्र में अच्छे प्रदर्शन के कारण ही सीएसके ने कप्तानी धोनी और तीन अन्य खिलाड़ियों के साथ इस बार भी बरकरार रखा है।

राहुल चाहर ने पंजाब किंग्स के कप्तान मयंक अग्रवाल को बताया फोकस्ड लीडर

स्पोर्ट्स डेस्क ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 से पहले पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के लेग स्पिनर राहुल चाहर ने कप्तान मयंक अग्रवाल की प्रशंसा की और उन्हें एक ऐसा नेता कहा जो हमेशा केंद्रित रहता है। राहुल जो पहले मुंबई इंडियंस के साथ थे को पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2022 की मेगा नीलामी के दौरान 5.25 करोड़ रुपए में खरीदा था। राहुल ने कहा कि मयंक एक महान खिलाड़ी है क्योंकि पहले भारत ए और वह अब भारत के लिए भी अच्छा कर रहा है। वह पिछले 3-4 वर्षों से पंजाब किंग्स का अभिन्न अंग रहा है और इतने रन बना रहा है। जब से हमने साथ में अभ्यास करना शुरू किया है, मैंने देखा है कि वह एक महान नेता हैं, जो हमेशा हर चीज पर ध्यान केंद्रित करते हैं। आईपीएल के ग्रुप सिस्टम के नए प्रारूप के बारे में बोलते हुए जो पहले 2011 में था, इस स्पिनर ने कहा कि उन्हें इस बात से कोई चिंता नहीं है कि वह किस टीम का सामना कर रहे हैं। स्पिनर ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मैं नए प्रारूप के नियमों के बारे में नहीं सोच रहा हूं क्योंकि मुझे इस बात की चिंता नहीं है कि मैं किसका सामना कर रहा हूं। यह सिर्फ इतना है कि हमारा ध्यान हर मैच में प्रदर्शन करने और जीतने पर है। राहुल ने आगे आईपीएल के आगामी संस्करण में नई टीम में शामिल होने पर उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मैं नए सीजन के लिए वास्तव में उत्साहित हूं, विशेष रूप से नए रंगों के लिए मैं उत्साहित हूं। मैंने अभी-अभी शादी की है और वास्तव में एक अच्छे सीजन की प्रतीक्षा कर रहा हूं। नया सीजन सभी के लिए एक नई शुरुआत की तरह है। हमारे अंदर बहुत सकारात्मकता है, अभी शिविर लगा रहे हैं और हम प्रतिदिन ऐसी सकारात्मक मानसिकता के ऐसी सकारात्मक मानसिकता के साथ अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इस बार हमने जो संयोजन बनाया है, वह वास्तव में हमारे लिए मददगार होगा। वर्तमान में, नेस वाडिया सर भी हमारे बुलबुले में हैं और वह हमें बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। गौर हो कि आईपीएल 2022 की शुरुआत शनिवार से कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच पहले मुकाबले में होगी। पंजाब किंग्स रविवार को अपने शुरुआती मैच में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) से भिड़ेगी।

संक्षिप्त समाचार

सिंधु स्विस ओपन बैडमिंटन के तीसरे दौर में पहुंची

बासेल । भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं। सिंधु ने पहले दौर में डेनमार्क की लाइन होमार्क केजेर्सफेल्ट को सीधे गेम में हराया। सिंधु ने अपने पहले दौर के मैच में 21-14, 21-12 से जीत हासिल की। सिंधु का सामना अब दूसरे दौर में चीन की नेस्लीहान यिगित से होगा। वहीं भारत की ही अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की महिला युगल जोड़ी भी जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंच गयी है। भारतीय जोड़ी ने एलाइन मुलर और जेनजीरा स्टैडेलमैन की स्थानीय जोड़ी को सीधे गेम में 21-15, 21-16 से हराया। वहीं भारत के ही एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की पुरुष युगल जोड़ी को पहले दौर में इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद रियान अर्डियांतो की युगल जोड़ी के हाथों 19-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा।

डुप्लेसिस लंबे समय तक नहीं संभाल सकते आरसीबी की कप्तानी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का कहना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में दक्षिण अफ्रीका के फाफ डुप्लेसिस को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) का कप्तान बनाया गया है पर 37 साल के डुप्लेसिस लंबे समय तक यह जिम्मेदारी नहीं संभाल सकते। इसलिए हो सकता है कि अगले सत्र में एक बार फिर कप्तानी की जिम्मेदारी विराट को मिल सकती है। विराट ने आईपीएल के पिछले सत्र में ही घोषणा कर दी थी कि वह अगले बार से कप्तान नहीं रहेंगे। ऐसे में उनकी जगह डुप्लेसिस को कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी थी। आरसीबी अब तक एक बार भी यह खिताब जीतने में सफल नहीं रही है जबकि टीम के पास कई स्टार खिलाड़ी रहे हैं पर इसके बाद भी उसके खिताब नहीं जीतने पर सवाल उठते रहे हैं। डु प्लेसिस पहले सीएसके में थे पर इस बार उन्हें आरसीबी ने सात करोड़ रुपये में खरीदा है। इस सलामी बल्लेबाज की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीकी टीम का प्रदर्शन शानदार रहा है। ऐसे में उनसे काफी उम्मीदें जुड़ी हैं। वहीं अश्विन के अनुसार डु प्लेसिस बैंगलोर की टीम के लिए अच्छे कप्तान तो हो सकते हैं पर वह अपने करियर के अंतिम चरण में होने के कारण लंबे समय तक यह जिम्मेदारी नहीं संभाल सकते। आरसीबी का उन्हें कप्तानी सौंपने का फैसला सही है क्योंकि इस खिलाड़ी के पास अच्छा खास अनुभव है।

पाक टीम के प्रदर्शन से खुश हैं गेंदबाजी कोच टेट

लाहौर । पाकिस्तान के गेंदबाजी कोच शॉन टैट अभी तक अपनी टीम के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज टैट अभी एक साल और पाक के साथ ही रहेंगे। टेट ने कहा है कि अब तक पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों के साथ काम करने का अनुभव अच्छा रहा है। साथ ही कहा कि तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी एक शीर्ष स्तर के गेंदबाज है जिनसे काफी कुछ सीखा जा सकता है। टैट ने अब तकऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में टीम के प्रदर्शन को ठीक बताया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में टीम के प्रदर्शन को ठीक बताया है। उन्होंने कहा, एक गेंदबाजी समूह के रूप में, हमने पांच विकेट लिए और रन गति पर भी अंकुश रखा। शाहीन एक बेहतरीन गेंदबाज हैं और बहुत सारे सवाल पूछते हैं। अब तक, मैंने उसके साथ अपने समय का आनंद लिया है और इस दौरान मैंने भी उससे बहुत कुछ सीखा है। वह अपनी उम्र के हिसाब से बहुत परिपक्व और कुशल हैं। उसने पारंपरिक और रिवर्स स्विंग दोनों तरह की गेंदबाजी में महारथ हासिल कर ली है। टेट को पिछले महीने ही पाक गेंदबाजी कोच बनाया गया था। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम 24 साल बाद पाक दौरे पर है। दोनो ही टीमों के बीच अभी टेस्ट सीरीज चल रही है जिसके पहले दो मैच ड्रॉ रहे हैं। पहले दो टेस्ट मैचों के दौरान पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों ने बल्लेबाजों के अनुकूल, धीमी सतहों पर केवल आठ विकेट लिए।

आईपीएल के शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे कमिंस और फिंच

मुम्बई ।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम के तेज गेंदबाज पैट कमिंस और बल्लेबाज एरॉन फिंच आईपीएल के शुरुआती मुकाबलों में नहीं खेलेंगे। यह दोनो ही इस दौरान अपनी राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलेंगे। केकेआर के मेंटर डेविड हसी ने माना है कि इन दोनो खिलाड़ियों के शुरुआती पांच मैचों में नहीं खेलने से टीम को करारा झटका लगा है पर साथ ही कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी टीम की ओर से खेलना सबसे अहम है। कोलकाता ने आईपीएल 2022 की मेगा नीलामी में कमिंस को 7.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। वहीं फिंच को इंग्लैंड के बल्लेबाज एलेक्स हेल्स के विकल्प के तौर पर टीम में रखा गया था। हसी ने कहा, ' इन दोनों खिलाड़ियों के नहीं रहने से हमारी मुश्किलें बढ़ेंगी क्योंकि हर टीम अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ उतरना चाहती है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बड़ा कुछ नहीं होना चाहिए। हर खिलाड़ी अपने देश के लिए क्रिकेट खेलना चाहता है, इसलिए उनकी कुछ जिम्मेदारियां भी होती हैं। मुझे लगता है कि कमिंस और फिंच शुरुआती पांच मैचों में नहीं रहेंगे पर जैसे ही वे आएंगे, खेलने के लिए पूरी तरह तैयार रहेंगे।' इस समय ऑस्ट्रेलियाई टीम पाकिस्तान दौरे पर टेस्ट सीरीज खेल रही है। इसके बाद दोनो ही टीमों को एकदिवसीय सीरीज के साथ ही एक टी20 मैच खेलना है। कमिंस जहां ऑस्ट्रेलियाई टीम के मुख्य तेज गेंदबाज होने के साथ ही टेस्ट कप्तान भी हैं जबकि फिंच प्रमुख बल्लेबाजी होने के साथ ही सीमित ओवरों के लिए टीम की कमान संभालते हैं।

तस्कीन अहमद को आईपीएल ना खेल पाने का मलाल, बांग्लादेश के कप्तान ने किया खुलासा

सेंचुरियन ।

बांग्लादेश ने दक्षिण अफ्रीका को उसके घर में पटखनी दे दी है। अफ्रीकी सरज़मीं पर बांग्लादेश ने तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला को 2-1 से अपने नाम कर लिया जो कि साउथ अफ्रीका में बांग्लादेश की पहली सीरीज़ जीत भी है। बांग्लादेश की इस ऐतिहासिक जीत में सबसे अहम योगदान तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद का रहा। जिन्होंने निर्णायक मुकाबले में पांच विकेट लेकर अफ्रीकी टीम को महज़ 154 रन के स्कोर पर रोक दिया । तस्कीन के इस प्रदर्शन पर टीम के कप्तान तमीम इक़बाल ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि तस्कीन को आईपीएल में न खेल पाने का मलाल ज़रूर था लेकिन उन्होंने लीग में खेलने के बनिस्बत अपने देश का प्रतिनिधित्व करने को अधिक तरजीह दी। तमीम ने कहा कि आईपीएल के क़रार को ठुकराना निश्चित तौर पर तस्कीन के लिये बड़ा फैसला था लेकिन दक्षिण अफ्रीका में सीरीज़ जीतना उससे बड़ी उपलब्धि है। तमीम ने कहा कि देश का प्रतिनिधित्व करना सबसे प्रेरक होता है। आईपीएल में न खेलने का निर्णय लेना तस्कीन के लिये काफ़ी कठिन था। वह युवा हैं और इस अवसर को गंवाना नहीं चाहते थे। लेकिन तस्कीन इसको लेकर काफ़ी खुश हैं कि वह अपने देश के लिए काफी अच्छा कर रहे हैं। कि यही उनका आईपीएल है, वास्तव में यह आईपीएल से भी बड़ा है। तस्कीन ने उनके कथन पर अपनी सहमति प्रदान की। प्रेजेंटेशन समारोह में जब तस्कीन को दोनों ट्रॉफी मिली तब उन्होंने उनसे कहा कि यही उनका आईपीएल है, वास्तव में यह आईपीएल से भी बड़ा है। तस्कीन ने उनके कथन पर अपनी सहमति प्रदान की। दरअसल तस्कीन को लखनऊ सुपरजायंट्स ने मार्क वुड के रिप्लेसमेंट के तौर पर अपने साथ जुड़ने का ऑफर दिया था। जिसे बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और तस्कीन दोनों ने ही ठुकरा दिया।

राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा जारी रखें युवा खिलाड़ी : स्टिमक

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने बहरीन के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाले रोशन सिंह की प्रशंसा करते हुए कहा कि युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिये प्रतिस्पर्धा जारी रखनी चाहिए। बहरीन ने बुधवार की रात को खेला गया यह मैच 2-1 से जीता। भारत ने पहले हॉफ में गोल गंवाने के बाद दूसरे हॉफ में बराबरी कर ली थी लेकिन बहरीन आखिरी क्षणों में निर्णायक गोल करने में सफल रहा। स्टिमक ने मैच के बाद कहा कि मैं युवा रोशन सिंह के प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। उसने दिखाया कि वह न केवल इंडियन सुपर लीग में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भविष्य का भारतीय स्टार है। अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे रोशन की मदद से ही राहुल भेके ने 59वें मिनट में भारत की तरफ से बराबरी को गोल किया था। भेके का यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहला गोल था। कोच ने कहा कि यह अनुभव हासिल करने के लिहाज से सभी लड़कों के लिए अच्छा दिन था। उन सभी ने अच्छा प्रदर्शन किया और उन्हें राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह के लिए प्रतिस्पर्धा जारी रखनी चाहिए। भारत अपने अगले अंतरराष्ट्रीय मैच में 26 मार्च को बेलारूस से भिड़ेगा। मैच के पहले हॉफ में बहरीन को पेनल्टी मिली थी लेकिन कप्तान और गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने अपनी बायीं तरफ डाइव लगाकर उसे बचा दिया था। गुरप्रीत ने कहा कि मैंने कोच की तरफ देखा और उन्होंने मुझे बायीं ओर इशारा किया। मैं भाग्यशाली था कि मैंने उसे बचा दिया। गुरप्रीत ने कहा कि मैंने कोच की तरफ देखा और उन्होंने मुझे बायीं ओर इशारा किया। मैं भाग्यशाली था कि मैंने उसे बचा दिया। यह हमारे लिए महत्वपूर्ण मैच था और इससे हमें कई सीख मिली। इस बात को ध्यान में रखते हुए कि हमारे पास तैयारी के लिए बहुत कम समय था, लड़कों ने अच्छा प्रदर्शन किया। हमें अपना मनोबल ऊंचा रखने और अगले मैच के लिए तैयार रहने की जरूरत है।

धोनी ने सीएसके की कप्तानी छोड़ी , जडेजा बने नये कप्तान

चेन्नई ।

महेन्द्र सिंह धोनी ने आईपीएल के 15 वें सत्र से ठीक पहले चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम की कप्तानी छोड़कर एक बार फिर सबको हैरान किया है। धोनी के इस्तीफे के बाद सीएसके ने ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा को टीम का नय कप्तान बनाया है। सीएसके ने अपने एक बयान में कहा है कि जडेजा सीएसके का नेतृत्व करेंगे। जडेजा साल 2012 से ही सीएसके में शामिल रहे हैं और वह सीएसके की कप्तानी करने वाले तीसरे खिलाड़ी होंगे। वहीं धोनी इस सत्र के अलावा आगे भी टीम के साथ बने रहेंगे। साल 2008 में लीग बनने के बाद से ही सीएसके की कप्तानी कर रहे धोनी का यह अंतिम सत्र भी हो सकता है क्योंकि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को पहले ही अलविदा कह दिया था। धोनी की कप्तानी में सीएसके ने चार बार 2010, 2011, 2018 और 2021 में आईपीएल का खिताब जीता है और सबसे ज्यादा खिताब जीतने के मामले में वह मुंबई इंडियंस के बाद दूसरे नंबर पर है। मुंबई ने पांच बार खिताब जीता है आईपीएल में धोनी सुपर किंग्स की पहचान रहे हैं। इस टीम को धोनी ने चार बार खिताब जिताया है। 2020 में खराब आइपीएल में खराब प्रदर्शन के कारण टीम और धोनी को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था पर साल 2021 में सुपरकिंग ने शानदार वापसी करते हुए खिताब जीता था आईपीएल 2022 से पहले धोनी के इस फैसले से सबको हैरानी हुई है। वहीं पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने पहले ही कहा था कि धोनी की जगह जडेजा सीएसके की कप्तानी संभाल सकते हैं जो सही निकला। उन्होंने जडेजा की तारीफ करते हुए कहा था कि पिछले कुछ वर्षों में एक खिलाड़ी के जडेजा जिस प्रकार से परिपक्व हुए हैं, जिस तरह से वह अपने खेल के संबंध में समायोजन कर रहे हैं और जिस तरह से वह मैच के हालातों के अनुसार खेलते हैं वह बिल्कुल शानदार है। ऐसे में अगर मैं होता तो जडेजा को कप्तानी बना देता। सीएसके को आईपीएल का अपना पहला मुकाबला शनिवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से खेलना है।

चेन्नई सुपर किंग्स की टीम

महेन्द्र सिंह धोनी, मोईन अली, रुतुराज गायकवाड़, रवींद्र जडेजा, अंबाती रायुडू, ड्वेन ब्रावो, रॉबिन उथप्पा, दीपक चाहर, के एम आसिफ, तुषार देशपांडे, शिवम दुबे, महेश थीक्षाना, राजवर्धन हैंगरगेकर, सिमरजीत सिंह, डेवोन कॉनवे। ड्वेन प्रिटोरियस, मिशेल सेंटनर, एडम मिल्ने, सुभ्रांशु सेनापति, मुकेश चौधरी, प्रशांत सोलंकी, सी हरि निशांत।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीनी की मिठास में सबसे शुद्ध है मिश्री

ऐसे कई लोग हैं जो शक्कर और इससे बने फूड आइटम्स खाने से परहेज करते हैं, क्योंकि इसे बनाने में कई तरह के केमिकल का इस्तेमाल होता है। लेकिन वहीं मिश्री हमारी सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद है। आयुर्वेदिक डॉ. ने इसके कई फायदे गिनाए हैं।

हम में से बहुत से लोग मिश्री यानी रॉक शुगर को माउथ फ्रेशनर के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। कई भारतीय रेस्टोरेंट में इसे भोजन के बाद सौंफ के साथ परोसा जाता है। मंदिरों में भी मिश्री को प्रसाद के तौर पर चढ़ाया जाता है। मिश्री वो मिठास है जो भगवान श्री कृष्ण को भी माखन के साथ अर्पित की जाती है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि रॉक शुगर के कई स्वास्थ्य लाभ हैं? आज हम आपको मिश्री के कई स्वस्थ्य लाभों के बारे में जानकारी दे रहे हैं। मिश्री के चमत्कारी गुणों का जिक्र आयुर्वेद विशेषज्ञ दीक्षा भावसार भी कर चुकी हैं।

डॉ.भावसार मानती हैं कि भले ही मिश्री स्वाद में मीठी तो होती ही है, लेकिन इसके सेवन से हमें कई लाभ मिलते हैं, क्योंकि मिश्री में औषधीय गुण भी होते हैं। ये शक्कर के मुकाबले कम केमिकल्स वाली होती है। मिश्री को पारंपरिक तरीके से बनाया जाता और इसलिए इसमें कई तरह के औषधीय गुणों से समृद्ध है।

मिश्री का उत्पादन भी गन्ने के पौधे के जरिए होता है, जो कि स्वभाविक तौर पर एक मीठा खाद्य पदार्थ है। इसे चीनी की सबसे शुद्ध मिठास मानी जाती है, क्योंकि इसमें व्हाइट शुगर की तरह केमिकल का प्रयोग नहीं होता है। डॉक्टर भावसार के अनुसार, यह बिना किसी रसायन के चीनी का सबसे शुद्ध रूप है। षडरस भोजन (संपूर्ण आहार जिसमें 6 अलग-अलग स्वाद हों) वो बहुत जरूरी होता है और इसमें मधुर रस यानी मीठे स्वाद की भी खास अहमियत है, उन्हीं में से एक मिश्री है।

इन लोगों को नहीं खानी चाहिए मिश्री

हालांकि, डॉ.भावसार कुछ लोगों को इसके सेवन न करने की सलाह भी देती हैं। उनका कहना है कि उच्च शर्करा स्तर यानी हाई शुगर लेवल, कोलेस्ट्रॉल, हार्मोनल इशु, ऑटोइम्यून जैसी बीमारियों से सूझ रहे लोगों को मिश्री सहित चीनी के सभी खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए। बकौल डॉक्टर, 'बकौल डॉ.' फ्रूट्स से प्राप्त नेचुरल शुगर सही होती है। इनमेंहिए।' कुछ हद तक शहद और मिश्री भी ली जा सकती है, लेकिन ज्यादा नहीं। वैसे आपको मीठे से बचना चाहिए।

कम मात्रा में करने से मिलते हैं लाभ

डॉ.भावसार ने कहा कि आइडल तौर पर मिश्री का सेवन कम मात्रा में किया जाना चाहिए। मिश्री को प्रकृति में सात्विक माना जाता है और आयुर्वेद इसे औषधि मानता है। आयुर्वेद में हर चीज की तरह, मिश्री का सेवन सावधानी बरतते हुए संयम से करना करने की सलाह दी गई। अगर इसका सेवन औषधि के रूप में किया जाए तो मिश्री आपके शरीर के लिए काफी सेहतमंद हो सकती है।

मिश्री का उपयोग कैसे कर सकते हैं?

आयुर्वेदिक चिकित्सक ने सुझाव दिया कि आप इसका उपयोग कड़वी दवाओं को निगलने के लिए कर सकते हैं। साथ ही नींबू जैसे फ्रेश ड्रिंक में मिलाकर भी इसका सेवन किया जा सकता है। इतना ही नहीं, यह एक एनर्जी बूस्टर है और खांसी और गले की खराश से राहत दिलाने के साथ-साथ प्रजनन क्षमता में सुधार करता है। डॉ.ने रॉक शुगर को ब्रेस्टफीडिंग यानी स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए भी अच्छा बताया है।

मिश्री के आयुर्वेदिक लाभ

- मिश्री को अपने आहार में शामिल करने के आयुर्वेदिक फायदे भी हैं।
- मिश्री आंखों के लिए अच्छी होती है।
- थकान को मिठाने के लिए मिश्री सहायक है। आयुर्वेद में थकान को क्षताक्षिनहारा कहा जाता है।
- आंखों के लिए अच्छी मानी जाती है।
- मिश्री के सेवन से पुरुषों के स्पर्म में सुधार होता है। शुक्रवर्धिका आयुर्वेद में स्पर्म को कहते हैं।
- मिश्री बलकारक यानी ताकत बढ़ाती है।
- मिश्री खाने से रक्तपित्तहर यानी खून का एसिड लेवल दुरुस्त रहता है।
- ये छर्दिघ्न यानी उल्टी और जी मिचलाने की समस्या को दूर करती है।
- मिश्रा वातनाशक यानी वात दोष को खत्म कर देती है।
- सर्दी, खांसी और जुकाम को दूर कर देती है मिश्री।

इन चीजों का सेवन बढ़ा सकता है सोरायसिस का खतरा

ोरायसिस एक स्किन प्रॉब्लम है। ह समस्या ज्यादातर हाथ-पांव, ारों के तलवों, कोहनी, घुटनों और ीठ पर होती है। इसके होने से वचा पर लाल और सफेद रंग के ब्बे पड़ जाते है। इसके अलावा ब्बों वाली जगह पर खुजली भी ोने लगती है। सोरायसिस मौसम और कुछ आहारों के कारण भी हो कती है। आज हम आपको उन्हीं ाहारों के बारे में बता रहें है जनको खाने से सोरायसिस हो कता है। अगर समय रहते उन ाद्य पदार्थों को खाना बंद न केया जाए तो समस्या बद से दतर हो सकती है। तो आइए ानते हैं उन आहारों के बारे में।

ल्कोहल - जिन लोगों को ोरायसिस की समस्या होती है। नको शराब का सेवन बिल्कुल भी हीं करना चाहिए। रोजाना शराब ीने से रैड सैल समान मात्रा से ्यादा बनने के कारण यह व्हाइट सैल और टी सेल्स के साथ जा मिलते हैं। इससे शरीर में सोरायसिस होने लगता है। इस बीमारी से बचने के लिए शराब और नशीले पदार्थों का सेवन न करें।

डेयरी प्रॉडक्ट्स - डेयरी प्रॉडक्ट्स जैसे दूध, घी, पनीर, छाछ आदि में प्रोटीन और कैल्शियम की अच्छी मात्रा होती है। इन चीजों और खास कर गाय के दूध का सेवन करने से सोरायसिस की समस्या हो सकती है। गाय के दूध में एरेकिडोनिक एसिड होता है जिससे यह बीमरी होती है।

खट्टे फल - इसके अलावा साइट्रस फूड जैसे - संतरा, नींबू, आदि से भी सोरायसिस होने लगती है। इस बीमारी से ग्रस्त लोगों को इनका सेवन करने से बचना चाहिए।

जंक फूड - जंक फूड में सैचुरेटेड, ट्रांस फैट और शुगर की मात्रा बहुत अधिक होती है। इसको खाने से शरीर को कई सारी बीमारियों का सामना करना पड़ता है। उन्हीं में से एक है सोरायसिस। सोरायसिस की समस्या होने पर भी जंक फूड का सेवन करने से व्यक्ति को दिल की बीमारियां होने का खतरा भी बना रहता है।।

रेड मीट - रेड मीट में पॉलीअनसैचुरेटेड फैट होता है जिसके कारण भी सोरायसिस होता है। रेड मीट के अलावा कुछ सॉस और मसालों को खाने से भी त्वचा संबंधित समस्याएं होने लगती हैं। अगर आपको कुछ खाने के बाद एलर्जी या कोई समस्या होने लगे तो तुंरत डॉक्टरी जांच करवाएं।

ग्लूटेन से भरपुर आहार - गेहूं, जौ और राई में ग्लूटेन प्रोटीन की अधिकता होती है। इसको खाने से कुछ लोगों को सोरायसिस की समस्या हो सकती है। अगर इनके सेवन से आपकी त्वचा में बदलाव होता है तो इनके सेवन से बचें।

स्वास्थ्य के फायदेमंद है कैलेंडुला की फूल की चाय

कैलेंडुला एक बेहद प्रभावी फूल है। इसकी चाय बनाकर पीने से बुखार, जलन, घाव और त्वचा से जुड़ी समस्याओं में राहत मिलती है। इसमें एंटीसेप्टिक- एंटीफंगल गुण होते हैं, जिसके प्रयोग से स्किन से जुड़ी परेशानियां दूर होती हैं।

कैलेंडुला का फूल दवाओं को बनाने के लिए प्रयोग किया जाता है। इसके फूल त्वचा के लिए भी बहुत अच्छे माने जाते हैं। पर क्या आपने कभी कैलेंडुला की फूल की चाय ट्राय की है। सुनने में भी आपको अजीब लग रहा होगा। लेकिन कैलेंडुला के फूलों से बनी चाय आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद है। यह चाय फूलों को उबलते पानी में डालकर बनाई जाती है। इसका अर्क फूलों और पत्तियों दोनों से मिलता है। बेशक आपको इसका स्वाद थोड़ा कड़वा लगे, लेकिन इसके बावजद कैलेंडुला चाय एक पारंपरिक उपचार है। तो चलिए हम यहां आपको बताते हैं इस फूल के 7 स्वास्थ्य लाभों के बारे में।

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर

कैलेंडुला के अर्क में कई शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। इसके अलावा इसमें ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर अल्फा जैसे एंटीइंफ्लेमेट्री कंपाउंड्स भी हैं। इस चाय को पीने से मोटापे के साथ सूजन और टाइप-2 डायबिटीज की शुरूआत को रोकने में मदद मिलती है। एक स्टडी के निष्कर्षों से पता चला कि कैलेंडुला अर्क में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस को काफी हद तक कम कर देता है।

घाव और त्वचा के अल्सर का उपचार करे

तेल, मलहम और टिंचर में पाया जाने वाला कैलेंडुला का अर्क घावों और अल्सर के इलाज के लिए उपयोग किया जाता रहा है। आप चाहें, तो चाय को स्प्रे बोतल के माध्यम से अपनी त्वचा पर लगा सकते हैं। टेस्ट ट्यूब और जानवरों का अध्ययन इस ओर इशारा करता है कि कैलेंडुला अर्क प्रोटीन को रैगुलट कर बहुत जल्दी घाव को भरने का काम करता है। घाव और अल्सर के उपचार को बढ़ावा देने के लिए आप इसे विभिन्न रूपों में अपनी त्वचा पर लगा सकते हैं।

कैंसर कोशिकाओं से लड़े

कैलेंडुला के फूल में मौजूद फ्लेवेनॉइड और ट्राइटरपीन, एंटीऑक्सीडेंट ल्यूकेमिया, मेलेनोमा, कोलन और पैंक्रियाज कैंसर सेल्स से लड़ सकते हैं। एक अध्ययन के अनुसार, कैलेंडुला अर्क उन प्रोटीनों को एक्टिव करता है, जो कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने में सक्षम हैं।

एंटीफंगल और एंटीमाइक्रोबियल गुण

कैलेंडुला के फूल का अर्क अपने एंटीफंगल और एंटीमाइक्रोबियल गुणों के कारण जाना जाता है। एक टेस्ट ट्यूब अध्ययन के अनुसार, गेंदे के फूलों से निकलने वाला तेल कैंडिडा यीस्ट से लड़ने में प्रभावी साबित हुआ है। आप इसका तेल, मलहम और स्प्रे सीधे अपनी त्वचा पर लगा सकते हैं।

मौखिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद

अगर आप किसी भी तरह की ओरल हेल्थ से जूझ रहे हैं, तो एक बार कैलेंडुला की फूल की चाय जरूर पीकर देखिए। यह हर्बल चाय मसूड़ों की सूजन के इलाज में मदद कर सकती हैं। 6 महीने के अध्ययन में पाया गया कि मसूडों की सूजन से ग्रसित लोगों को कैलेंडुला माउथवॉश का इस्तेमाल करने पर सूजन में बहुत आराम मिला। गेंदे की फूल की चाय से गरारे करने से गले में खराश से राहत मिलती है।

त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार करे

आजकल कैलेंडुला के फूल का अर्क का इस्तेमाल कॉस्मेटिक जैसे क्रीम और मलहम में भी किया जाने लगा है। अध्ययनों के अनुसार, गेंदे के फूल का अर्क स्किन हाइड्रेशन को बढ़ाने के साथ इसमें लचीलापन भी ला सकता है। कैलेंडुला में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट और एसपीएफ स्किन डैमेज को कम कर त्वचा की बढ़ती उम्र को रोकने में सक्षम हैं।

कैलेंडुला के फूल की चाय के उपयोग

- जिन महिलाओं के पीरियड्स इरैगुलर होते हैं, उनके लिए यह चाय बहुत फायदेमंद है।
- माइक्रोबियल गुणों के चलते यह फेस टोनर के रूप में बढ़िया काम करता है।
- ह्रदय स्वास्थ्य में सुधार के लिए भी आप गेंदे की फूल की चाय बनाकर पी सकते हैं। दरअसल, इस चाय में मौजूद एंटीइंफ्लेमेट्री और एंटीऑक्सीडेंट गुण हार्ट अटैक की संभावना को कम करते हैं।
- चूहों के एक अध्ययन से पता चला है कि यह चाय व्यायाम के कारण मांसपेशियों में होने वाले दर्द को दूर करने में कारगार है।
- कैलेंडुला की फूल की चाय बनाकर पीने से दांत के दर्द में काफी आराम मिलता है।

कैलेंडुला की फूल की चाय बनाने का तरीका

- इस चाय को बनाने के लिए एक बर्तन में दो गिलास पानी लें और इसे उबलने के लिए रख दें।
- जब पानी उबल जाए, तो इसमें कैलेंडुला की फूल की पंखुडियां डाल दें। ध्यान रखें पंखुड़ियों को पहले सुखा लें।
- अब पानी को कम से कम 5 मिनट तक धीमी आंच पर उबलने दें। इस दौरान पानी ढंका होना चाहिए।
- जब पानी अच्छी तरह उबल जाए, तो कैलेंडुला के फूल की पंखुडियों का रंग पानी में दिखने लगेगा। इसे तब तक उबालें जब तक पानी आधा न रह जाए।
- अब गैस बंद कर दें और एक चम्मच शहद डालकर पीएं। इसे पीने के अलावा आप चाहें तो चकते या घावों पर भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।
- अगर आप इस चाय का तुरंत उपयोग नहीं कर रहे, तो इसे एक सप्ताह तक फ्रिज में स्टोर करके रखा जा सकता है।

फेफड़ों के साथ साथ जिंदगी पर भी असर डालता है धूम्रपान

फेफड़े का कैंसर लोगों में काफी आम है और दुनिया भर में कैंसर से संबंधित मौतों का एक प्रमुख कारण भी यही है। दुनियाभर में कैंसर के जितने भी मामले हैं, उनमें से 13 फीसदी फेफड़े के कैंसर से संबंधित है और कैंसर से संबंधित 19 प्रतिशत मौतों के लिए भी यही जिम्मेदार है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 2021 में फेफड़ों का कैंसर, कैंसर से होने वाली मौतों का सबसे आम कारण रहा है।

फेफड़ों के कैंसर के लिए सबसे महत्वपूर्ण जोखिम कारक सिगरेट स्मोकिंग है। हालांकि सिगार या पाइप के इस्तेमाल से भी फेफड़े में कैंसर होने की आशंका बनी रहती है। तंबाकू के धुएं में लगभग 7,000 कंपाउंड्स होते हैं, जिनमें से कई विषैले होते हैं। जो लोग सिगरेट पीते हैं, उनमें फेफड़े का कैंसर होने या इससे मरने की संभावना धूम्रपान न करने वालों की तुलना में 15 से 30 गुना अधिक होती है। अगर आप दिन में एक या दो सिगरेट पीते हैं या कभी-कभार पीते हैं, तो भी इसके होने की संभावना बनी रहती है। हालांकि आप जितना अधिक धुम्रपान करेंगे, खतरे की संभावना भी उतनी ही बनी रहेगी। मैंगलोर में स्थित केएस हेगड़े में एमडी डीएम कंसल्टेंट मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट विजय शेट्टी ने बताया, ''तंबाकू के सेवन को अक्सर सिगरेट या धूम्रपान करने वाले तंबाकू उत्पादों की तुलना में अधिक सुरक्षित माना जाता है। हालांकि जो लोग तंबाकू चबाते हैं, उनमें मुंह का कैंसर और प्रीकैंसर (असामान्य कोशिकाएं जिनमें कुछ बदलाव हुए हैं और कैंसर बन सकती हैं) के होने की संभावना अधिक रहती है। तंबाकू चबाने से आपको हृदय रोग, मसूड़ों की बीमारी, दांतों की सड़न और दांत खराब होने का भी खतरा होता है।''

बैंगलोर के एएसटीईआर सीएमआई हॉस्पिटल के एमडी डीएम व कंसल्टेंट मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट आदित्य मुरली ने बताया कि तंबाकू से हर साल 80 लाख लोगों की मौत होती है। उन्होंने कहा, ''इस साल किए गए अध्ययनों से पता चलता है कि धूम्रपान न करने वालों की तुलना में धूम्रपान करने वालों में कोविड-19 के साथ अन्य गंभीर बीमारियों के विकसित होने की संभावना अधिक होती है। वायरस मुख्य रूप से फेफड़ों पर हमला करता है और धूम्रपान फेफड़ों को कमजोर करता है, जिससे कोविड और अन्य बीमारियों से लड़ना मुश्किल हो जाता है। धूम्रपान हृदय रोगों, सांस की बीमारियों, कैंसर और मधुमेह के लिए भी एक जोखिम कारक है, जो ऐसे लोगों को कोविड के अधिक जोखिम में डालता है।'' बैंगलोर के एचसीजी हॉस्पिटल के एमडी डीएनबी, मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट श्रीनिवास बीजे ने आईएएनएस लाइफ को बताया कि धूम्रपान से शरीर में कहीं भी कैंसर हो सकता है, जिसमें स्वरयंत्र, मूत्रवाहिनी, मूत्राशय, गर्भाशय ग्रीवा, अन्नप्रणाली, यकृत, फेफड़े, अग्न्याशय, पेट, बृहदान्त्र सहित और भी जगहें शामिल हैं। इससे कई अन्य बीमारियों के होने का खतरा भी बना रहता है। फोर्टिस अस्पताल, मुलुंड और फोर्टिस हीरानंदानी अस्पताल, वाशी में हेड-सर्जिकल ऑन्कोलॉजी अनिल हीरूर चेतावनी देते हुए कहते हैं कि सिगरेट में कई रसायन होते हैं जिनमें कैडमियम जैसे कुछ शामिल हैं, जिनका उपयोग कार की बैटरी या सड़क बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले टार में किया जाता है।

बच्चों की सुनने की क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं हेडफोन, ईयरबड

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि हेडफोन, ईयरबड्स के बढ़ते उपयोग से बच्चों में सुनने में परेशानी होने की संभावना है क्योंकि उनकी श्रवण प्रणाली की परिपक्वता अधूरी होती है। बच्चे, किशोर और युवा वयस्क दुनिया भर में अनुशंसित सार्वजनिक स्वास्थ्य सीमा से अधिक मात्रा में प्रतिदिन कई घंटे संगीत सुन रहे हैं।

अमेरिका स्थित गैर-लाभकारी संस्था द क्विट कोएलिशन के डेनियल फिन्क ने कहा ''रोजमर्रा की जिंदगी में गैर-व्यावसायिक शोर एक्सपोजर मुट्ठी भर शोर स्रोतों जैसे व्यक्तिगत श्रवण प्रणाली, विशेष रूप से युवा लोगों के लिए; पारगमन शोर, घरेलू उपकरण; बिजली उपकरण; और मनोरंजन (खेल आयोजन, फिल्में, पार्टियां, एनएएससीएआर रेस, आदि) से आता है।''

पांच साल की अवधि में 50 प्रतिशत से अधिक मात्रा में एक घंटे से अधिक व्यक्तिगत ऑडियो सिस्टम का उपयोग करने वाले लोगों के लिए श्रवण स्वास्थ्य जोखिम सबसे ज्यादा है। हाल ही में वॉल स्ट्रीट जर्नल के एक लेख पर विवाद करते हुए दावा किया गया कि 85 डेसिबल बच्चों और किशोरों के लिए सुरक्षित है, लेकिन फिन्क ने कहा कि 85 डेसिबल किसी के लिए भी सुरक्षित नहीं है।

उन्होंने कहा ''लोगों को लगता है कि नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर ऑक्यूपेशनल सेफ्टी एंड हेल्थ ने सिफारिश की कि 85 डीबीए शोर जोखिम स्तर से सुरक्षित है।''

उन्होंने कहा, ''लेकिन एक शोर स्तर जो कारखाने के श्रमिकों या भारी उपकरण ऑपरेटरों में सुनवाई हानि को नहीं रोकेगा, लेकिन ये एक छोटे बच्चे के लिए बहुत ज्यादा है।''

विशेषज्ञ ने कहा, ''बच्चे सबसे अधिक जोखिम में हैं क्योंकि उनकी श्रवण प्रणाली की परिपक्वता अधूरी है और सामान्य श्रवण स्वास्थ्य सीखने, समाजीकरण के लिए महत्वपूर्ण है।'' अमेरिका की ध्वनिक सोसायटी की 180वीं बैठक के दौरान, जो 8 से 10 जून के बीच आयोजित हुई में फिन्क ने ऑडियोलॉजिस्ट जान मेयस के साथ व्यक्तिगत ऑडियो सिस्टम शोर उत्सर्जन मानकों और उनके उपयोग पर सार्वजनिक शिक्षा की आवश्यकता के लिए बात की। उनके मुताबिक 'एक आसन्न शोर-प्रेरित को रोकने के लिए' श्रवण हानि महामारी जब आज की युवा पीढ़ी मध्य जीवन तक पहुंचती है।'' 2017 में, रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्रों ने बताया कि लगभग 25 प्रतिशत अमेरिकी वयस्कों, जिनकी उम्र 20-69 है, में शोर-प्रेरित श्रवण हानि होती है। अधिग्रहित श्रवण हानि संचार कठिनाइयों, सामाजिक अलगाव, गिरने और दुर्घटनाओं के बढ़ते जोखिम और बाद के जीवन में डिमेंशिया सहित स्वास्थ्य जटिलताओं से जुड़ी है।

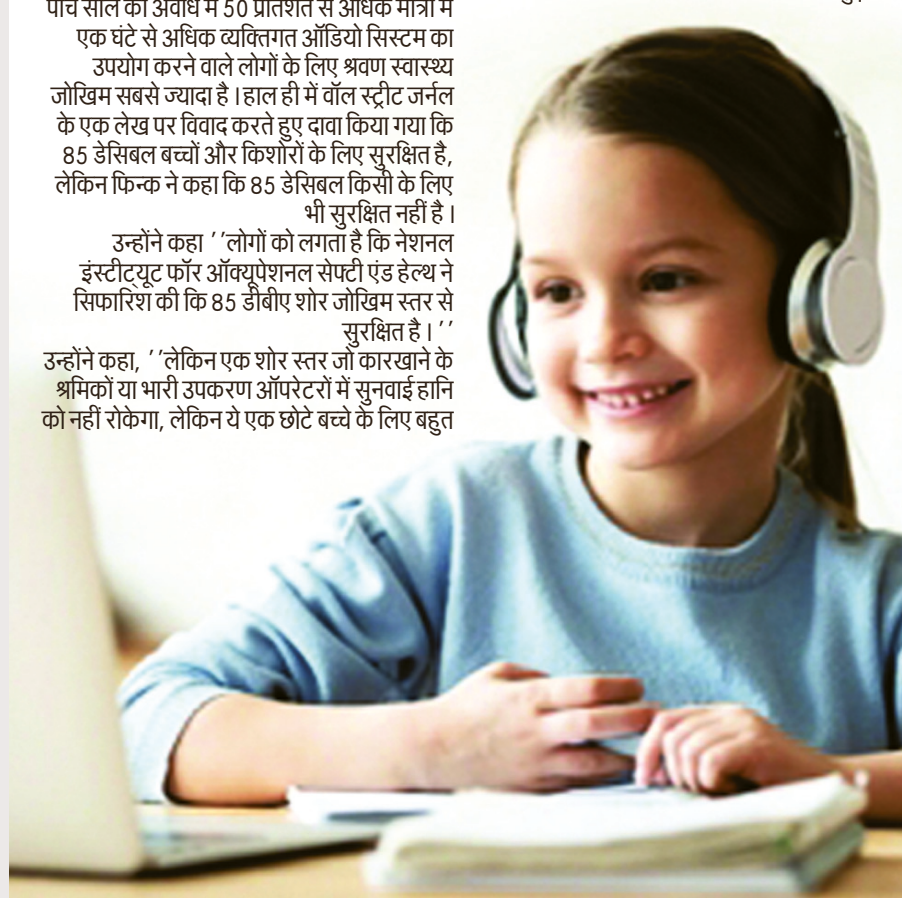

पीएम की कुर्सी खतरे में देख जनता से समर्थन जुटने में लगे नियाजी इमरान

लाहौर ।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान को लगने लगा है, कि उनकी सरकार कुछ ही दिनों की मेहमान रह गई है। इस कारण देश की आम जनता का समर्थन जुटाने में जुट गए हैं। उन्होंने वीडियो संदेश में देश की आवाम से गुजारिश की है, कि वहां उनके 27 मार्च को उनके साथ इस्लामाबाद के परेड ग्राउंड में बड़ी संख्े या में एकत्रित हो। उन्होंने संदेश में यहां तक कहा है कि उनके देश की जनता विपक्ष को ये बता दे कि वहां उनके साथ नहीं बल्कि पीटीआई के साथ हैं। इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ पार्टी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर प्रधानमंत्री के वीडियो मैसेज को पोस्ट किया है। इसमें इमरान को जनता से अपील करते और विपक्ष के खिलाफ एकजुट होने की अपील करते देखा जा सकता है। इसमें उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया है, कि वहां नेशनल असेंबली में आम जनता के नुमाइंदों को खरीद रहे हैं, जिससे उनकी सरकार गिर जाए। उन्होंने कहा कि देश में डाकुओं का बोलबाला है और ये जनता के पैसे को बर्बाद कर रहे हैं। जनता के पैसे से ये मुल्े क की जनता की चुनी सरकार को गिराने में लगे हैं।इसके बाद जरूरी है कि जनता इ-हें ये संदेश दे कि वहां उनके साथ नहीं बल्कि सरकार के साथ है। इसके लिए 27 मार्च को बड़ी संख्े या में परेड ग्राउंड पहुंचे।उन्होंने कहा है कि देश की जनता उनकी सरकार को गिराने की कोशिश करने वालों को जवाब देकर ये मैसेज दे कि आगे से इस तरह की कोशिश कोई न करे। उन्- होंने कहा कि विपक्ष और उनके खिलाफ बोलने वाले नेता मुल्क का पैसा बाहर भेज रहे हैं। वहां लगातार वर्षों से देश को लूटने में लगे हैं।

पाकिस्तान और तालिबान के बीच बढ़ रहा है विवाद, डूरंड रेखा और टीटीपी मुख्य कारण

काबुल ।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच संबंध खराब हो रहे हैं। अफगानिस्तान तालिबान द्वारा तहरीक-ए-तालिबान पकिस्तान को समर्थन देने और डूरंड रेखा पर बढ़ते तनाव के कारण अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच दरारें बढ़ने लगी हैं। रिपोर्ट में बताया है कि हाल ही में संपन्न इस्लामिक देशों के संगठन (ओआईसी) के बैठक में तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी का न जाना इसकी पुष्टि करता है, कि दोनों देशों के बीच संबंध सहज नहीं हैं। बता दें कि इस्लामाबाद में हुए ओआईसी की बैठक में अफगान तालिबान ने मुत्ताकी के बदले विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी को भेज दिया था। रिपोर्ट में बताया गया है, कि हाल के दिनों में चमन और स्पिन बोल्दक जिलों में बॉर्डर पर कई जगहों पर दोनों पक्षों के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। तालिबान ने कथित तौर पर पाकिस्तान के खिलाफ कुनार प्रांत में अस्मार और नारी के इलाकों में अपनी तोप तैनात किए हैं। बता दें कि तालिबान ब्रिटिश कालीन डूरंड रेखा को अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच आधिकारिक सीमा के रूप में मान्यता नहीं देता है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच आधिकारिक सीमा के रूप में मान्यता नहीं देता है। वहीं बिगड़ते संबंधों का एक और प्रमुख कारण अफगान तालिबान द्वारा टीटीपी को समर्थन दिया जाना है। दो दिन पहले खैबर पख्तूनवाला में टीटीपी के साथ हुई झड़पों में 2 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए थे। पिछले साल अगस्त में तालिबान द्वारा काबुल पर कब्जा करने के बाद से पाकिस्तान में आतंकी घटनाओं की संख्या में बड़ी बढ़ोतरी देखी गई है। इस्लामाबाद स्थित पाक इंस्टीट्यूट फॉर पीस स्टडीज के अनुसार 2021 में आतंकी घटनाओं में पिछले साल की तुलना में 42 फीसद की बढ़ोतरी हुई है। जिसमें अधिकांश आतंकी घटनाएं काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद के दिनों में हुई है।

इश्क पर जोर नहीं, 27 साल बड़े प्रोफेसर से शिष्या को हुआ प्यार, कर ली शादी!

लंदन ।

कहावत है इश्क पर जोर नहीं होता ऐसा ही कुछ ब्रिटेन में हुआ यहां एक लड़की ने अपने प्रोफेसर से शादी कर ली। प्रोफेसर और लड़की में 27 साल का अंतर है। इस ऐज गैप को लेकर लड़की कहती है- मैंने अपने टीचर से शादी की, मुझे 27 साल के एज गैप की परवाह नहीं। उसका कहना है कि लोग क्या कहते हैं, इसकी भी उसे परवाह नहीं। वह कहती है कि ये पहली नजर में प्यार का मामला है। दरअसल, मरियम टेरिला तंजानिया के मोरोगोरो के एक विश्वविद्यालय में पढ़ाई करती थीं। यहीं पर उनकी मुलाकात दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर ग्रेजेगोर्ज़ से हुई। पहली ही नजर दोनों को एक दूसरे से प्यार हो गया। 2017 में ये जोड़ी पहली बार डेट पर गई। तब मरियम की उम्र 21 साल थी और ग्रेजेगोर्ज़ की 48 साल। इसके बाद उन्होंने 2018 में शादी कर ली। दोनों की उम्र में इतना ज्यादा अंतर था, इसलिए उन्हें लोगों की नकारात्मक टिप्पणी भी झेलनी पड़ी। अभी ये कपल पोलैंड में रहता है। खबरों के मुताबिक, इस समय मरियम की उम्र 26 साल है, जबकि उनके पति ग्रेजेगोर्ज़ 53 वर्ष के हैं। कपल की उम्र के बीच 27 साल का अंतर है। फिलहाल मरियम और ग्रेजेगोर्ज़ दोनों अपने तीन साल के बेटे के साथ हंसी-खुशी जिंदगी बिता रहे हैं। मरियम कहती हैं कि अधिक एज गैप के कारण लोग अक्सर ग्रेज़गोर्ज़ को हमारे बेटे का दादा समझ लेते हैं। पति के सफ़ेद बालों के कारण इस तरह की स्थिति अक्सर पैदा हो जाती है। बकौल मरियम मेरी और ग्रेजेगोर्ज़ की उम्र में अंतर के कारण उसे लोगों के निगेटिव कमेंट्स का सामना करना पड़ता है।

तालिबान के तुगलकी फरमान- खुलने के कुछ घंटे बाद फिर स्कूलों को करवाया बंद

काबुल ।

तालिबान का कट्टरपन एक बार फिर सामने आ गया जब अफगानिस्तान में लड़कियों के माध्यमिक विद्यालयों को फिर से खोलने के कुछ ही घंटों बाद फिर से बंद करने का फरमान जारी कर दिया। इस बारे में एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की। इसके बाद कई लड़कियों के आंखों से आंसू निकल आए। तालिबान के प्रवक्ता इनामुल्ला समांगानी ने पुष्टि करते हुए कहा, हां, यह सच है। तालिबान प्रवक्ता ने इसके पीछे की वजह नहीं बताई, जबकि शिक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता अजीज अहमद रायन ने कहा, हमें इस पर टिप्पणी करने की अनुमति नहीं है। पिछले साल अफगानिस्तान की सत्ता में तालिबान की वापसी हुई थी। इसके बाद स्कूली शिक्षा से लेकर विभिन्न तरीकों की गतिविधियों पर रोक लगा दी गई थी। काबुल के ओमरा खान गर्ल्स स्कूल की शिक्षिका पलवाशा ने कहा, मैंने अपने छात्रों को रोते हुए और कक्षाएं छोड़ने के लिए अनिच्छुक देखा है। उन्होंने आगे कहा कि अपनी छात्राओं को रोते हुए देखना काफी दर्दनाक है। संयुक्त राष्ट्र के दूत डेबोरा लियोन ने लड़कियों के लिए स्कूलों को बंद किए जाने की रिपोर्ट को परेशान करने वाला बताया है। उन्होंने ट्वीट किया, यदि यह सच है, तो संभवतः क्या कारण हो सकता है? बता दें कि जब तालिबान ने पिछले अगस्त में सत्ता संभाली थी, तब कोविड -19 महामारी के कारण स्कूल बंद थे, लेकिन केवल लड़कों और छोटी कक्षाओं की लड़कियों को ही दो महीने बाद कक्षाएं फिर से शुरू करने की अनुमति दी गई थी। तालिबान के सत्ता में आने के बाद से ही ऐसी आशंका जताई जा रही थी कि तालिबान लड़कियों के लिए सभी औपचारिक शिक्षा बंद कर देगा, जैसा कि उन्होंने 1996 से 2001 तक सत्ता में अपने पहले कार्यकाल के दौरान किया था।

विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे अपनी वकील संग बंधे शादी के बंधन में

लंदन । खोजी पत्रकारिता की बेवसाइट विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे दक्षिण पूर्व लंदन की बेलमार्श जेल में बुधवार को अपनी वकील मंगेतर के साथ विवाह के बंधन में बंध गए। गोपनीय दस्तावेजों को कथित तौर पर लीक करने के आरोपों पर अमेरिका में प्रत्यर्पित किये जाने के विरुद्ध अपनी कानूनी लड़ाई के तहत वह यहां जेल में हैं। असांजे (50) और दक्षिण अफ्रीका में पैदा हुई उनकी दोस्त स्टेला मोरिस (38) के दो बेटे- चार वर्षीय गैब्रियल और दो वर्षीय मैक्स हैं। शादी का जोड़ा पहने मोरिस अपने बेटों और असांजे के पिता रिचर्ड के साथ जेल पहुंचीं। मोरिस ने कड़े जेल नियमों के तहत हुए छोटे कार्यक्रम से पहले लिखा, 'आज मेरी शादी का दिन है। मैं अपने जीवन के प्यार के साथ शादी रचाउंगी।' उन्होंने कहा, 'हमारे दो बेटों के पिता मेरे पति एक शानदार व्यक्ति, बुद्धिमान एवं मजाकिया हैं। उनमें सही और गलत की गहरी समझ है और वह साहसी प्रकाशक के तौर पर अपने काम के लिए दुनियाभर में जाने जाते हैं।' बताया जाता है कि यह दंपत्ति शादी का खर्च स्वयं उठाएगा और उसने अपने समर्थकों से शादी का उपहार देने के बजाय असांजे के वास्ते दान करने का आह्वान किया ताकि असांजे को मुक्त कराया जा सके।

यूक्रेन-रूस जंग से अब बढ़ने लगी तीसरे विश्व युद्ध की आशंका

वॉशिंगटन ।

रूस-यूक्रेन के बीच 30 दिन से जारी जंग से अब विश्वयुद्ध की आशंका बलवती हो रही है, यह पूरी दुनिया को चिंतित करने वाली खबर है। रूस अगर यूक्रेन के खिलाफ परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करता है तो अमेरिका ने भी युद्ध के मैदान में उतरने की अपनी योजना बना ली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अगर रूस यूक्रेन के खिलाफ रासायनिक, जैविक या परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करता है तो संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक आकस्मिक योजना बनाई है। इस प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों के अनुसार, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों की एक टीम, जिसे टाइगर टीम के नाम से जाना जाता है, प्रतिक्रिया पर विचार कर रही है। उनका कहना है कि अगर रूस नाटो क्षेत्रों में काफिले पर हमला करता है और यूक्रेन में इन हथियारों को उतारता है तो अमेरिका जवाब देने के लिए तैयार मिलेगा। आपको बता दें कि 24 मार्च को नाटो सभी सदस्य देशों के नेताओं की बैठक होने वाली है। उस बैठक में इस विषय पर चर्चा की जा सकती है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि रूस ने यूक्रेन में युद्ध अपराधों को अंजाम दिया है और बाइडेन प्रशासन अन्य के साथ मिलकर अपराधियों के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए काम करेगा। ब्लिंकन ने एक बयान में कहा, आज मैं फिलहाल उपलब्ध जानकारी के आधार पर यह घोषणा कर सकता हूं कि अमेरिका सरकार ने मूल्यांकन किया है कि रूसी बल के सदस्यों ने यूक्रेन में युद्ध अपराध किए हैं। वह नाटो नेताओं की आपात शिखर बैठक में हिस्सा लेने के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन के संग ब्रसेल्स जा रहे हैं। अमेरिका के शीर्ष राजनयिक ने कहा कि अमेरिका जानकारी को सहयोगियों, साझेदारों और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ साझा करेगा, जिनकी जिम्मेदारी युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराध के आरोपों की जांच करना है। ब्लिंकन ने कहा, हमने अंधाधुंध हमलों और जानबूझकर नागरिकों को लक्षित करने वाले हमलों के साथ-साथ अन्य अत्याचारों से संबंधी कई विश्वसनीय रिपोर्टें देखी हैं। रूस की सेना ने रिहायशी रूस की सेना ने रिहायशी इमारतों, स्कूलों, अस्पतालों, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे, नागरिक वाहनों, शॉपिंग सेंटर और एम्बुलेंस को नष्ट कर दिया है जिनमें हजारों बेगुनाह लोगों की जान गई है या वे जख्मी हुए हैं। अनातोली चुबैस सतत विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ संबंधों के लिए क्रेमलिन के विशेष दूत थे।

भारतीय विदेश सचिव श्रंगला और यूएन प्रमुख गुतारेस ने यूक्रेन, अफगानिस्तान के मसले पर की बातचीत

जिनेवा ।

भारतीय विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रंगला ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस से यहां मुलाकात की और यूक्रेन, अफगानिस्तान और म्यांमार की बदलती परिस्थितियों सहित विश्व निकाय की सुरक्षा परिषद के एजेंडे पर विचार विमर्श किया। श्रंगला मंगलवार को न्यूयॉर्क पहुंचे और संयुक्त राष्ट्र तथा अरब देशों के लीग के बीच सहयोग को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की ब्रीफिंग में बुधवार को हिस्सा लिया। यह ब्रीफिंग संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की काउंसिल प्रेसिडेंसी के तहत आयोजित की गई। संरा सुरक्षा परिषद की ब्रीफिंग की अध्यक्षता यूएई के मंत्री खलीफा शाहीन अलमरार ने की। यूएनएससी की ब्रीफिंग के बाद श्रंगला ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में गुतारेस से मुलाकात की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट किया, 'विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रंगला ने संरा महासचिव एंतोनियो गुतारेस से मुलाकात की। (तथा) यूक्रेन, अफगानिस्तान और म्यांमा सहित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एजेंडे पर विचार विमर्श किया। सूत्रों ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच बैठक करीब एक घंटे तक चली और उन्होंने यूक्रेन की स्थिति पर भी चर्चा की। ऐसा समझा जाता है कि गुतारेस ने कहा कि भारत उन कुछेक देशों में शामिल है जिनका पूरी दुनिया में सम्मान होता है और भारत जैसे देश को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है, क्योंकि मौजूदा स्थिति में यह दोनों पक्षों से सम्पर्क कर सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से कई बार बातचीत की है ।

हिंसा के बजाय कूटनीतिक बातचीत और संवाद का रास्ता अपनाने की अपील की है। पिछले सप्ताह गुतारेस ने कहा था कि वह चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इजरायल और तुर्की सहित तमाम देशों से संपर्क बनाए हुए हैं, ताकि इस युद्ध की समाप्ति के लिए मध्यस्थता के प्रयास किये जा सकें। सूत्रों ने बताया कि संरा महासचिव ने रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से पेट्रोलियम उत्पाद तथा खाद्य सामग्रियों पर पड़ने वाले प्रभावों पर भी चिंता जताई है, क्योंकि यदि यह संकट जारी रहता है तो कई देशों को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। सूत्रों के अनुसार, गुतारेस संयुक्त राष्ट्र में भारत की भूमिका तथा इस बात को लेकर सकारात्मक थे, कि भारत के साथ बातचीत संयुक्त राष्ट्र द्वारा अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए महत्वपूर्ण होगी। श्रंगला के यूएनएससी की ब्रीफिंग में शामिल होने के कुछ घंटे बाद, 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद में, रूस के उस प्रस्ताव पर मतदान हुआ जिसमें यूक्रेन की बढ़ती मानवीय जरूरतों को तो स्वीकार किया गया था, लेकिन रूसी आक्रमण का कोई उल्लेख नहीं था। बहरहाल, वह प्रस्ताव पारित नहीं हो सका। रूस को प्रस्ताव पारित कराने के लिए 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद में न्यूनतम नौ वोट की आवश्यकता थी।

बांग्लादेश के एक स्कूल ने भी लगाई बुर्के पर लगाई पाबंदी

ढाका । भारत राज्य कर्नाटक की ही तरह बांग्लादेश के नोआखाली के सेनबाग उपजिले में एक स्कूल के क्लासरूम में छात्राओं के बुर्का पहनने पर पाबंदी लगा दी गई है। स्कूल के इस आदेश के बाद जगह-जगह पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, स्कूल की तरफ एक नोटिस में कहा गया था कि लड़कियां कक्षा में दाखिल होने के बाद अपना चेहरा नहीं ढक सकती हैं। हालांकि, बाद में मैनेजमेंट ने इस नोटिस को वापस ले लिया। इस पूपे घटनाक्रम के दो सप्ताह से अधिक समय हो गए हैं। इसके बावजूद लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। हाथों में पोस्टर-बैनर लिए लोग इसकी आलोचना कर रहे हैं। बीबीसी ने अपनी रिपोर्ट में स्थानीय लोगों के हवाले से कहा है कि स्कूल प्रबंधन कमेटी के चुनाव के कारण से इस मामले को उछाला गया है। हालांकि, स्कूल प्रशासन का कहना है कि नोटिस की गलत व्याख्या की गई है। भ्रम की स्थिति के कारण नोटिस वापस लेना पड़ा। मालूम हो कि स्कूल के बाहर मानव श्रंखला बनाकर विरोध प्रदर्शन कर अपने गुस्से का इजहार किया। वहीं, एक स्थानीय पुलिस अधिकारी ने कहा कि लड़कियों की क्लास में लड़कों के बुर्का पहनकर आने की कई घटना सामने आई थी। लड़कियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्कूल प्रशासन ने इस तरह का फैसला लिया। स्कूल प्रबंधन ने कक्षा में प्रवेश करने के बाद चेहरा नहीं ढकने का एक निर्देश जारी किया। उन्होंने कहा कि नोटिस में बुर्का ना पहनने या उसपर पाबंदी की कोई बात नहीं थी। उन्होंने कहा कि कई बार स्कूल में नहीं पढ़ने वाली लड़कियां भी क्लास में आ जाती थी। बीबीसी ने अपनी रिपोर्ट में स्कूल प्रबंधन के हवाले से कहा है कि स्कूल के पास एक बाजार में लड़कों ने एक अड्डा बना लिया था।

क्वाड में अमेरिका का एक महत्वपूर्ण भागीदार है भारतः प्राइस

भारत, अमेरिका और कई विश्व शक्तियां हिंद-प्रशांत में चीन के खिलाफ

वाशिंगटन ।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि भारत, स्वतंत्र एवं मुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझा दृष्टिकोण को साकार करने के लिए क्वाड में अमेरिका का एक महत्वपूर्ण भागीदार है। भारत, अमेरिका और कई अन्य विश्व शक्तियां क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों की पृष्ठभूमि में एक स्वतंत्र, मुक्त एवं समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र को सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दे रहे हैं। चीन लगभग पूरे विवादित दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा करता है, हालांकि ताइवान, फिलीपीन, ब्रुनेई, मलेशिया और वियतनाम भी इसके कुछ हिस्सों पर दावा करते हैं। चीन ने दक्षिण चीन सागर में कृत्रिम द्वीप तथा सैन्य प्रतिष्ठान भी बनाए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने मंगलवार को दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''यह एक द्विपक्षीय संबंध है, जो पिछले 25 वर्षों में कई मायनों में गहरा हुआ है। यह द्विपक्षीय आधार पर ही संभव हो पाया है।'' प्राइस ने कहा, ''यह जॉर्ज डब्ल्यू बुश प्रशासन की विरासत का एक हिस्सा है, ।

जहां हमने अमेरिका और भारत के बीच इस द्विपक्षीय संबंध को विकसित होते देखा है और हमारे रक्षा एवं सुरक्षा संबंधों सहित कई क्षेत्रों में यह संबंध प्रगाढ़ हुए हैं।'' स्वतंत्र एवं मुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझा किए गए मूल्यों की बात करते हैं तो हम भारत के भागीदार हैं। हमने अपनी रक्षा तथा सुरक्षा के संदर्भ में इस संबंध में निवेश किया है। उन्होंने कहा, ''तथ्य यह है कि हम भारत के भागीदार हैं। जब हम एक स्वतंत्र एवं मुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझा किए गए मूल्यों की बात करते हैं तो हम भारत के भागीदार हैं। हमने अपनी रक्षा तथा सुरक्षा के संदर्भ में इस संबंध में निवेश किया है। इसलिए ऐतिहासिक संबंधों के साथ ही अब हम भारत के पसंदीदा भागीदार हैं...।'' प्राइस ने कहा कि क्वाड तथा द्विपक्षीय संबंधों के संदर्भ में... एक स्वतंत्र एवं मुक्त हिंद-प्रशांत के साझा दृष्टिकोण को साकार करने के लिए भारत उनका एक आवश्यक भागीदार है।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन पर हमले के बाद अमेरिकी ऊर्जा कंपनियों में बढ़ रही रूसी हैकरों की रुचि : एफबीआई

वॉशिंगटन । संघीय अन्वेषण ब्यूरो (एफबीआई) चेतावनी दी है कि यूक्रेन पर रूसी हमले की शुरुआत के बाद से अमेरिका की ऊर्जा कंपनियों में रूसी हैकरों की रुचि बढ़ रही है। हालांकि एफबीआई ने यह नहीं बताया कि संभावित साइबर हमले से निपटने के लिए क्या योजना है। मंगलवार को एफबीआई के एक परामर्श में कहा गया है कि रूसी हैकरों ने कम से कम पांच ऊर्जा कंपनियों और अन्य क्षेत्रों की कम से कम 18 अन्य कंपनियों पर नजर रखी है, जिनमें रक्षा उद्योग और वित्तीय सेवाओं से संबंधित कंपनियां शामिल हैं। परामर्श में किसी भी कंपनी की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। एफबीआई की यह चेतावनी यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद साइबर सुरक्षा को लेकर बाइडेन प्रशासन की चिंताओं को रेखांकित करती है। व्हाइट हाउस ने सोमवार को कहा था कि इस बात की खुफिया जानकारी मिली है कि रूस अमेरिका के ऐनी न्यूबर्गर में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर साइबर हमले शुरू करने पर विचार कर रहा है।

पाकिस्तान- लाहौर में क्रांतिकारी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव दी गई श्रद्धांजलि

लाहौर । अंग्रेजों से लोहा लेकर आजादी की लड़ाई लड़ने वाले क्रांतिकारी स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को पाकिस्तान के लाहौर में बुधवार को नागरिक समाज ने श्रद्धांजलि अर्पित की है। लोगों ने लाहौर के शादमान चौक पर तीनों शहीदों को पुष्जांपलि अर्पित की, जहां उन्हें 23 मार्च, 1931 को फांसी दी गई थी। इस दौरान मौजूद लोगों ने उस स्थान पर तीनों शहीदों को सलाम किया, जहां उन्हें फांसी दी गई थी। इस कार्यक्रम का आयोजन पाकिस्तान के भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन द्वारा किया गया और कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा चाक-चौबंद रही क्योंकि धार्मिक चरमपंथियों की धमकी को ध्यान में रखते हुए लाहौर उच्च न्यायालय ने कड़ी सुरक्षा के निर्देश दिए थे। तीनों शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद फाउंडेशन के अध्यक्ष इम्तियाज रशीद कुरैशी ने कहा कि भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

अमेरिका में हिन्दु आस्था को सम्मान, भारतीय मूल सैनिक को तिलक लगाने की छूट

वाशिंगटन । अमेरिका की वायु सेना में भारतीय मूल के सदस्य को ड्यूटी के दौरान तिलक लगाने की अनुमति दी गई है। एयर फोर्स बेस पर तैनात अमेरिकी वायु सेना के एक वायुसैनिक दर्शन शाह को ड्यूटी के दौरान तिलक लगाने की अनुमति देकर धार्मिक छूट दी गई है। वह दो साल से इसकी मांग कर हे थे। उनकी इस मांग का ऑनलाइन ग्रुप चैट के माध्यम से दुनिया भर से समर्थन मिला। 22 फरवरी, 2022 को उन्हें पहली बार वर्दी के साथ तिलक लगाने की अनुमति दी गई थी। शाह ने कहा, टेक्सास, कैलिफोर्निया, न्यू जर्सी और न्यूयॉर्क के मेरे दोस्त मुझे और मेरे माता-पिता को संदेश भेज रहे हैं, कि वे बहुत खुश हैं कि वायु सेना में ऐसा कुछ हुआ। उन्होंने कहा, यह कुछ नया है। यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में उन्होंने पहले कभी नहीं सुना था। यह सोचा भी नहीं जा सकता था, लेकिन ऐसा हुआ।शाह का पालन-पोषण मिनेसोटा के ईडन प्रेयरी में गुजराती परिवार में हुआ था।

अविश्वास प्रस्ताव पर बोले इमरान खान- नहीं दूंगा इस्तीफा, आखिरी बॉल तक डटा रहूंगा...

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। विपक्ष का उनकी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जाना प्रमुख वजह है। माना जा रहा है कि आर्मी ने भी कभी अपने चहेते इमरान खान का साथ छोड़ दिया है। इस बीच, नेशनल असेंबली में बहुमत के लिटमस टेस्ट से पहले पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि वह किसी भी सूरत में इस्तीफा नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि वह विपक्ष को चौंकाएंगे। इमरान खान ने इस्लामाबाद में पत्रकारों से बातचीत में कहा, मैं किसी भी सूरत में इस्तीफा नहीं दूंगा। मैं आखिरी बॉल तक खेलूंगा...और मैं विपक्ष को एक दिन पहले ही चौकाउंगा जो पहले से ही दबाव में है। इमरान खान ने कहा कि वह नेशनल असेंबली में वोटिंग से एक दिन पहले अपने पत्ते खोलेंगे। उन्होंने कहा, मेरा तो ट्रंप कार्ड यही है कि अब तक मैंने अपना कोई कार्ड ही नहीं खेला है। दरअसल, इमरान खान के खिलाफ विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव लाया है जो नेशनल असेंबली में 25 मार्च को पेश किया जाएगा। नेशनल असेंबली के नियमों के तहत अविश्वास प्रस्ताव लाए जाने के 3 दिन बाद और 7 दिनों के भीतर उस पर वोटिंग होगी। इस बार इमरान खान की कुर्सी का जाना तय दिख रहा है। खुद उनकी ही पार्टी पीटीआई के कुछ सांसद बागी हो चुके हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राज्यपाल धनखड़ को पद से हटाए मोदी सरकार टीएमसी सांसदों ने अमित शाह से मिलकर की मांग

कलकत्ता ।

सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के प्रतिनिधिमंडल ने संसद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और उनसे बीरभूम की घटना को देखते हुए पश्चिम बंगाल के राज्यपाल को हटाने का आग्रह किया। डेरेक ओ ब्रायन, महुआ मोइत्रा और अन्य नेताओं सहित टीएमसी प्रतिनिधिमंडल ने शाह से मुलाकात की। बंद्योपाध्याय ने अमित शाह से मुलाकात के बाद कहा, हमने कहा है कि रामपुरहाट, बीरभूम की घटना को देखते हुए पश्चिम बंगाल के राज्यपाल को हटाया जाना चाहिए। उनका काम हमारी संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ है। संसदीय लोकतांत्रिक व्यवस्था खतरे में है। उन्होंने आगे बताया कि घटना में अब तक 21 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बंद्योपाध्याय ने कहा, हमने राज्यपाल बदलने के लिए मुख्यमंत्री के पत्र की एक प्रति गृह मंत्री को दी है। हमारी मुख्यमंत्री स्थिति को अच्छी तरह से संभाल रही हैं। अब तक 21 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, 15 पुलिस अधिकारियों को छुट्टी पर जाने के लिए कहा गया है। किसी भी दोषी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। यह पूछे जाने पर कि गृह मंत्री ने क्या कहा, टीएमसी सांसद ने कहा, ÷उन्होंने बहुत स्पष्ट रूप से कहा कि हम इस मामले में किसी राजनीतिक एंगल की तलाश नहीं कर रहे हैं। मेरा यह भी मानना है कि इस घटना में मेरा कोई राजनीतिक एंगल नहीं है। पश्चिम बंगाल के बीरभूम के रामपुरहाट इलाके में द्वारा घरों में आग लगाने के बाद कुल आठ लोगों की मौत हो गई। बनर्जी के रामपुरहाट दौरे से पहले बीरभूम के पुलिस अधीक्षक नागेंद्र नाथ त्रिपाठी ने पुलिस कर्मियों के एक बड़े दल के साथ गांव का निरीक्षण किया। वहीं कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद रामपुरहाट के हिंसा प्रभावित इलाके में सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। रामपुरहाट की घटना पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बुधवार को राज्य सरकार को चौबीसों घंटे निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दिया था।

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी का सरकार और पीएम मोदी पर निशाना

नई दिल्ली । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केंद्र की मोदी सरकार पर बड़ा निशाना साधा है। उन्होंने कई मोर्चों पर एकसाथ मोदी सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेरने की कोशिश की है। राहुल गांधी ने कुछ देर पहले ही ट्वीट कर कोविड पीड़ितों के इलाज सहित उद्योगों की बदहाली के लिए मोदी सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। राहुल गांधी ने अपने ट्वीट में सवाल-जवाब की शैली में लिखा है कि कोविड पीड़ितों का इलाज मुफ्त में करवाया?- नहीं , गरीबों और श्रमिकों को न्यूनतम आय मिली?- नहीं, छोटे उद्योगों को डूबने से बचाया?- नहीं प्रधानमंत्री को कोई ख्याल नहीं है। इस ट्वीट के साथ राहुल गांधी ने एक डिजिटल मीडिया की खबरों की हेडलाइंस को शेयर किया है और उसके आधार पर पीएम मोदी और उनकी सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने कोविड पीड़ितों के मुफ्त इलाज में सरकार के विफल रहने का आरोप लगाया है और गरीबों के साथ मजदूरों को न्यूनतम आय मिलने के सरकार के दावे को भी गलत ठहराया है। इसके अलावा सरकार की इस बात के लिए भी आलोचना की है कि उसने छोटे उद्योगों और लघु उद्योगों को डूबने से बचाने के लिए कुछ नहीं किया। कुल मिलाकर सरकार और पीएम मोदी को किसी बात का ख्याल नहीं है और इसे पीएम केयर से जोड़ते हुए लिखा है- पीएम डज़ नॉट केयर बता दें कि 22 मार्च को देश में पेट्रोल-डीजल और एलपीजी गैस के दाम बढ़ने के बाद भी राहुल गांधी ने ट्वीट कर मोदी सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने कीमतें बढ़ने को ही मोदी सरकार के तहत विकास बताया था।

बुलडोजर मामा के राज में मासूमों से दुष्कर्म की घटनाएं लगातार हो रही

भोपाल । मध्य प्रदेश में मासूमों के साथ लगातर दुष्कर्म की खबरें आ रही है। मुख्यमंत्री शिवराज द्वारा बदमाशों के मकानों पर बुलडोजर चलाने के बाद भी मासूम के साथ अनाचार के मामले में थम नहीं रहे हैं। दमोह जिले में 10 के मासूम के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। जहां दरिंदे ने घिनौने वारदात को अंजाम दिया है। घटना जबेरा पुलिस थाना क्षेत्र की है। गंभीर हालत में मासूम को अस्पताल में भर्ती किया गया है। दरअसल बताया जा रहा है, कि दरिंदे ने मासूम को रात 3 बजे सोते समय घर के आंगन से उठा ले गया। फिर ग्राम पंचायत के मनोरंजन भवन में घिनौने वारदात को अंजाम दिया। घटना की जानकारी सुबह मासूम रोते हुए घर पहुंची तब परिजनों को हुई। आरोपी हार्वेस्टर पर काम करने वाला था। पुलिस मामले की जांच कर आरोपी की तलाश में जुट गई है। इसी कड़ी में प्रदेश के दतिया जिले में मनचले युवक द्वारा युवती को परेशान करने घटना से क्षुब्ध युवती ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। परिजनों ने बताया कि पड़ोस का युवक युवती का वीडियो वायरल करने की धमकी देकर परेशान करता था। बताया जा रहा है कि युवक की धमकी से परेशान होकर युवती ने फांसी लगा ली। परिजनों ने आरोपी युवक पर मामला दर्ज करने की मांग की है। परिजन मामला दर्ज होने तक मृतिका का पीएम नहीं करवाने पर जिद पर अड़े हुए है।

टीवी-फिल्मों के प्रसिद्ध अभिनेता अभिषेक चटर्जी का निधन

कोलकाता । बंगाली फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता अभिषेक चटर्जी का 57 साल की उम्र में निधन हो गया है और उन्होंने 24 मार्च को आखिरी सांस ली। जानकारी के अनुसार, अभिनेता पिछले कुछ दिनों से काफी बीमार चल रहे थे। अभिषेक चटर्जी बंगाली फिल्म व टेलीविजन का हिस्सा थे और इन दिनों वे बंगाली टीवी शो में नजर आ रहे थे और नए शो की शूटिंग में बिजी थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता 23 मार्च को अपने आगामी टीवी शो 'इस्मरत जोड़ी' की शूटिंग कर रहे थे और अचानक अस्वस्थ महसूस करने लगे। वे शूटिंग सेट पर कई बार उछल पड़े और क्रू मेंबर्स तुरंत उन्हें संभालने लगे लेकिन तब अभिनेता अस्पताल जाने के लिए तैयार नहीं थे और घर चले गए। हालत खराब होने पर परिवार वालों ने डॉक्टर को बुलाया और अभिषेक का इलाज भी कराया गया लेकिन देर रात उन्होंने अंतिम सांस ली। अभिषेक, जो कई हिट फिल्मों का हिस्सा रहे हैं, बंगाली टेलीविजन धारावाहिक 'खोरकुटो' का हिस्सा रहे हैं, जिसमें तृना साहा और कौशिक रॉय मुख्य भूमिकाओं में हैं। अभिनेता के अचानक हुए निधन से बंगाली फिल्म इंडस्ट्री के साथ-साथ उनके चाहने वालों को भी गहरा धक्का लगा है। रिपोर्ट्स की मानें तो 57 साल के अभिनेता को दिल का दौरा पड़ा था जिसके चलके उनकी मौत हुई है। लबोनी सरकार, गौरव रॉय चौधरी, तृना साहा, कौशिक रॉय और कई अन्य लोगों ने उनके आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया है। ममता बनर्जी ने भी एक ट्वीट में शोक व्यक्त किया है। उन्होंने लिखा, 'अभिषेक चटर्जी के अचानक हुए निधन की खबर सुनकर दुखी हूं। अभिषेक बहुत ही टैलेंटेड और एक वर्सेटाइल एक्टर थे। हम उन्हें हमेशा याद करेंगे।

फूड प्वाइजनिंग से 17 बच्चे बीमार, स्टाल पर खाया था खाना

पटना । पटना में बिहार दिवस के मौके पर औरंगाबाद से आए 17 बच्चे फूड स्टाल में दिए जा रहे खाने को खाकर बीमार पड़ गए। इसके बाद सभी बच्चों को अस्पताल भेजा गया। जहां 5 बच्चों को प्राथमिक इलाज के बाद घर भेज दिया गया है। वहीं 12 बच्चों का अभी भी इलाज जारी है। डॉक्टरों ने बताया कि खराब खाना खाकर बच्चों को फूड प्वाइजनिंग और डिहाइड्रेशन हो गया है। बता दें, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को राज्य के 110वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह का यहां उद्घाटन किया। कुमार ने लोगों को संबोधित करते हुए राज्य के समृद्धशाली अतीत, स्वतंत्रता के बाद आए ठहराव और समाज, अर्थव्यवस्था तथा पर्यावरण के क्षेत्र में सुधार लाने के लिए उनकी सरकार द्वारा किए गए प्रयासों के बारे में चर्चा की। समाज, अर्थव्यवस्था तथा पर्यावरण के क्षेत्र में सुधार लाने के लिए उनकी सरकार द्वारा किए गए प्रयासों के बारे में चर्चा की। कुमार ने कलकत्ता प्रसिडेंसी से अलग होने और 1912 में राज्य के निर्माण को याद किया। उन्होंने उस भूमि के अतीत को याद किया जो शक्तिशाली मौर्य वंश के लिए सत्ता का केन्द्र थी और जहां चाणक्य जैसे दार्शनिकों तथा आर्यभट्ट जैसे गणितज्ञों ने अपना योगदान दिया था। उन्होंने कहा कि यहां जैन तीर्थंकर महावीर का जन्म हुआ था और बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ था, इसके अलावा इस भूमि में हिंदू, मुस्लिम और सिख धर्मों के कई पवित्र तीर्थस्थल है। इस समारोह में कई गणमान्य व्यक्तियों ने हिस्सा लिया।

बीरभूम हिंसा में मारे गए लोगों के परिवार से मिलीं ममता बनर्जी

कलकत्ता ।

बीरभूम जिले के रामपुरहाट में हुई हिंसा में 8 लोगों को जिंदा जलाने की चर्चा देशभर में हो रही है। इस बीच पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी गुरुवार दोपहर हिंसा में जान गंवाने वाले लोगों के परिवार वालों से जाकर मिलीं। उन्होंने सभी से बात की और उनका दर्द जाना। ममता बनर्जी से बात करते-करते कई परिवार रोने लगे। ममता ने उन्हें आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का भरोसा दिलाकर शांत करने की कोशिश की। बता दें कि इससे पहले ममता बनर्जी ने इस घटना के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि यह बंगाल है, उत्तर प्रदेश नहीं, आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि तृणमूल कांग्रेस के नेता और बरशल ग्राम पंचायत के उप प्रमुख भादु शेख का सोमवार को मर्डर कर दिया गया था। उन पर बम से हमला किया गया था। भादु की मौत की खबर जैसे ही टीएमसी के कार्यकर्ताओं तक पहुंची, वे उग्र हो गए। इसके बाद उनके सपोर्टर्स ने हमला करने वाले संदिग्धों के घरों में आग लगा दी। इस आगजनी में 8 लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई थी। पुलिस ने भी प्राथमिक जांच में इसे राजनीतिक रंजिश का मामला बताया था। घटना के बाद आसपास के इलाके में तनावपूर्ण माहौल हो गया था। जिसे देखते हुए मौके पर पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई थी। घटना पर दुख जताते हुए पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भी आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के आदेश दिए थे। इस मामले में अब तक 22 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस घटना पर दुख जताया है। उन्होंने कहा, मैं पश्चिम बंगाल के बीरभूम में हुई हिंसक वारदात पर दुख व्यक्त करता हूं। अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं आशा करता हूं कि राज्य सरकार, बंगाल की महान धरती पर ऐसा जघन्य पाप करने वालों को जरूर सजा दिलवाएगी। बीजेपी, कांगेस के साथ-साथ लेफ्ट भी ममता सरकार को घेरने में जुटी है। तो उधर हाईकोर्ट ने भी इस गंभीर मामले का संज्ञान लेते हुए ममता सरकार से आज दोपहर 2 बजे तक स्टेटस रिपोर्ट मांगी है।

चुनाव से पहले कांग्रेस के प्रदेश सचिव करूण शर्मा ने आप का दामन थामा

शिमला । हिमाचल प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को देखकर आम आदमी पार्टी संगठन को मजबूती देने में लगी हुई है। प्रदेश में आप का कुनबा बड़ा होता दिख रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को कांग्रेस के प्रदेश सचिव करूण शर्मा ने आप पार्टी ज्वाइन कर ली। करूण शर्मा हिमाचल के पालमपुर विधानसभा से एक बड़ा नामचीन चेहरा हैं। प्रदेश प्रभारी रत्नेश गुप्ता ने गर्मजोशी से दिल्ली में आम आदमी पार्टी में शामिल कराया। करूण शर्मा ग्राम पंचायत सिद्धपुर से प्रधान रह चुके हैं, जो कि पालमपुर विधानसभा का एक बड़ा हिस्सा है, वे 1995 से 2021 लगातार प्रधान के पद पर हैं। प्रभारी रत्नेश गुप्ता के मुताबिक करूण शर्मा की ज्वाइनिंग से पार्टी को फायदा मिलेगा। ये बात साफ है कि हिमाचल के लोग के साथ कांग्रेस और बीजेपी के बड़े नेता भी अब भ्रष्टाचार मुक्त सरकार लाना चाहते है। जनता पूरी तरह बदलाव चाहती है, कांग्रेस और बीजेपी के एक बार तेरी-मेरी सरकार की पॉलिसी से परेशान हो गई है। करूण शर्मा पहली बार 2008 में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पालमपुर का नॉमिनेट अध्यक्ष बना और दूसरी बार चुनाव जीतकर 2010 में फिर से ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पालमपुर का अध्यक्ष बने। 2014 में संगठनात्मक जिला पालमपुर का पहली बार जिलाअध्यक्ष भी बने, 2016 में फिर से संगठनात्मक जिला पालमपुर का जिलाध्यक्ष का पद सँभाला। आम आदमी पार्टी प्रदेश कार्यालय मैं आज सैंकड़ों लोगों ने प्रदेश के विभिन क्षेत्रों से पार्टी की सदस्यता ली।

आप नेता राघव चड्ढा ने विधायक पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली । दिल्ली के राजेंद्र नगर से विधायक राघव चड्ढा ने दिल्ली विधानसभा से इस्तीफा दे दिया। आम आदमी पार्टी ने पंजाब से उन्हें राज्यसभा भेजने का फैसला किया है। राघव चड्ढा ने सोमवार को नामांकन दाखिल किया था। राज्यसभा में जाने को लेकर उन्होंने कहा, केजरीवाल सरकार और मैंने बतौर विधायक अपने क्षेत्र में बहुत काम किए। जितना संभव था उतना काम किया गया उन्होंने कहा, ÷हमारे विधानसभा के सभी लोग शुक्रगुजार हैं। सदन जरूर बदलेगा, लेकिन सेवा चलती रहेगी। ये सिर्फ आम आदमी पार्टी में ही हो सकता है कि ऑर्डिनरी घर से आने वाले बच्चों को मौका और इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। मैं अपने नेता केजरीवाल जी का धन्यवाद करता हूं। एक क्लास से दूसरी क्लास में मेरा प्रमोशन हो गया है। जय हिंद। वहीं, दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा हम राघव चड्ढा को बहुत मिस करेंगे, हो सके तो फिर लौटकर आना।÷ बता दें कि आप नेता राघव चड्ढा ने दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष राम निवास गोयल को इस्तीफा सौंपा। राघव चड्ढा ने पंजाब विधानसभा चुनाव के दौरान राज्य में आम आदमी पार्टी की कमान संभाली थी, जिसके बाद पार्टी ने उन्हें राज्यसभा भेजने का फैसला किया है।

ओपी राजभर की खामोशी खड़े कर रही सवाल

नई दिल्ली ।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी गठबंधन की हार के बाद से ही सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) प्रमुख ओम प्रकाश राजभर के अगले कदम को लेकर अटकलें लग रही हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के साथ लड़कर मंत्री बने राजभर को इस बार सपा की जीत से अच्छे दिनों की उम्मीद थी। लेकिन चुनावी नतीजों से मिली निराशा के बाद से माना जा रहा है कि राजभर एक बार फिर पलटी मारकर भाजपा सरकार में शामिल हो सकते हैं। पिछले दिनों दिल्ली में बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष अमित शाह से मुलाकात को लेकर भी खबर आई थी। राजभर ने मुलाकात की खबरों को भले ही खारिज कर दिया, लेकिन जिस तरह होली के पहले से ही वह चुप्पी साधे हुए हैं, उससे एक बार फिर सवाल उठने लगा है कि क्या यह रंग बदलने के संकेत हैं? पिछले करीब 9 दिनों से ओपी राजभर सुर्खियों से पूरी तरह गायब हैं। वह ना सिर्फ मीडिया से दूर हैं, बल्कि सोशल मीडिया पर भी कुछ बधाई संदेशों और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की तस्वीरों के अलावा वह ट्विटर-फेसबुक पर भी चुप्पी साधे हुए हैं। दरअसल, सवालों को बल इसलिए भी मिला है क्योंकि राजभर इस तरह चुप्पी साधे हुए राजनीति करने को लेकर नहीं जाने जाते हैं। वह बेहद मुखर रहने वाले नेता हैं और विपक्ष पर लगातार निशाना साधने में आगे रहते हैं। लेकिन जिस तरह पिछले कुछ दिनों में उन्होंने योगी सरकार और भाजपा को लेकर एक भी शब्द नहीं कहा है, उसके बाद सवाल उठने लगा है कि क्या चुनाव में तीखी बयानबाजी करने वाले राजभर अब माहौल को साजगार बनाने में जुट गए हैं विधानसभा चुनाव में 6 सीटें जीतने वाले राजभर ने पूर्वांचल की कई सीटों पर भाजपा को नुकसान पहुंचाया है। माना जा रहा है कि अगले लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी उन्हें अपने पाले में लाकर इस नुकसान की भरपाई सुनिश्चित कर लेना चाहती है। तमाम कड़वाहट के बावजूद बीजेपी ने राजभर के लिए दरवाजे खुले रखे हैं। यही वजह है कि राजभर के अच्छे दोस्त और भाजपा के उपाध्यक्ष दयाशंकर सिंह ने खुलकर कहा था कि राजभर को बीजेपी के साथ आ जाना चाहिए, बीजेपी ही उनके समाज का भला कर सकती है।

सचिन पायलट के हाथ में दिखा धनुष लक्ष्य भेदने का वक्त आ गया: प्रमोद कृष्णम

नई दिल्ली ।

कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम का पायलट प्रेम एकबार फिर सार्वजनिक हो गया। उन्होंने राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट से कहा कि अब लक्ष्य भेदने का वक्त आ गया है। दरअसल सचिन पायलट ने लोगों से मुलाकात की कुछ तस्वीरें ट्वीट की थीं। इनमें से एक तस्वीर में पायलट के हाथ में धनुष-बाण भी दिख रहा था। प्रमोद कृष्णम ने पायलट के ट्वीट को कोट करते हुए लिखा, गांडीव उठाओ और प्रत्यंचा चढ़ाओ, अर्जुन की तरह लक्ष्य भेदने का समय आ चुका है। कृष्णम के ट्वीट को राजस्थान में अगले साल होने वाले चुनावों से जोड़कर देखा जा रहा है। आपको बता दें कि राजस्थान में कांग्रेस के अंदर गुटबाजी का संकट काफी पुराना है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच रस्साकसी की खबरें लगातार सुर्खियां बनती हैं। दूसरी ओर प्रमोद कृष्णम भी कई बार पायलट के समर्थन में सार्वजनिक मंचों और सोशल मीडिया से बयान देते रहे हैं। हाल ही में कृष्णम का एक और ट्वीट चर्चा में आया था, जब सचिन पायलट राज्यपाल कलराज मिश्रा को होली की शुभकामनाएं देने पहुंचे थे। इस तस्वीर पर कृष्णम ने कहा था, लग रहा है जैसे शपथ का निमंत्रण दिया जा रहा है।

प्रदेश में बुलडोजर को लेकर सियासत गर्म, कांग्रेस ने कहा मुख्यमंत्री अब कोर्ट भी घर में खोल लें

भोपाल ।

मध्यप्रदेश में भी यूपी के तर्ज पर अपराधियों के घरों पर बुलडोजर चल रहा है। बुलडोजर को लेकर सियासत गर्म हो गई है। सूबे की शिवराज सरकार पर कांग्रेस हमला किया है। मुख्यमंत्री की अफसरों को नसीहत के मामले में पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने पलटवार किया है। कांग्रेस नेता वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री अब कोर्ट भी घर में खोल लें। धोखा और पैसे से खरीदकर हमारी सरकार गिराई गई। अफसरों से कह रहे हैं, अब सरकार हमारे हिसाब से चलेगी। उन्होंने कहा कि अपराधी किस के राज में पनपे हैं। वहीं वर्मा ने गीता के प्रसिद्ध श्लोक को मॉडिफाइड कर पढ़ा है। श्रीकृष्ण के गीता श्लोक की पैरोडी कर पीएम मोदी पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि यदा यदा ही मोदिश्चयः मंदी भवति भारताः अभियुथनं अंध भक्त बेरोजगारी युगे युगे। इस कड़ी में पूर्व मंत्री विजयलक्ष्मी साधौ ने बीजेपी पर हमला करते हुए कहा कि जहां बुलडोजर की जरूरत है, वहां बुलडोजर चले। रेत की खदानों में बुलडोजर की जरूरत है। महिलाओं के अपराधियों को बुलडोजर से कुचलने की आवश्यकता है। उन्होंने सरकार पर सवाल दागा है कि एमपी में पनप रहे दलालों पर बुलडोजर कब चलेगा। वहीं पूर्व मंत्री जीतू पटवारी ने कहा कि 2023 में सरकार पर जनता का बुलडोजर चलेगा। कमलनाथ से बुलडोजर चलाना सीखा है। लेकिन नकल में अक्ल की जरूरत होती है। सरकारी माफियाओं पर बुलडोजर कौन चलाएगा। 12730 करोड़ रुपए बिना बिजली लिए बिजली कंपनियों को दिए गए।

योगी 2.0 के शपथ ग्रहण के लिए सोनिया, मायावती, अखिलेश से अंबानी-अडानी तक को न्योता

लखनऊ ।

सीएम योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में कल यानी 25 मार्च को दूसरी बीजेपी सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होने वाला है। समारोह में देश की कई नामचीन हस्तियां मौजूद रहेंगी। इसके लिए सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मुलायम सिंह यादव, मायावती और अखिलेश यादव सहित विभिन्न दलों के नेताओं के साथ उद्योग और फिल्म जगत की कई बड़ी शख्सियतों को न्योता भेजा गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शपथ ग्रहण समारोह के लिए एक तरफ जहां कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी, सांसद राहुल गांधी, बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती, समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को आमंत्रण पत्र भेजा गया है वहीं आमंत्रित अतिथियों की सुची में उद्योगपति मुकेश अंबानी, गौतम अडानी, आनंद महिन्द्रा जैसे कई बड़े नाम शामिल हैं। इस मौके पर कई फिल्मी हस्तियों के भी मौजूद रहकर समारोह में चार-चांद लगाने की सम्भावना है। बॉलीवुड से आमंत्रितों में अक्षय कुमार, कंगना राणावत, अनुपम खेर, बोनी कपूर, अजय देवगन, विवेक अग्निहोत्री सहित कई हस्तियां शामिल हैं। शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए कल से ही नवनिर्वाचित विधायकों और कार्यकर्ताओं के लखनऊ पहुंचने का सिलसिला चल रहा है। अनुपम खेर, बोनी कपूर, अजय देवगन, विवेक अग्निहोत्री सहित कई हस्तियां शामिल हैं। शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए कल से ही नवनिर्वाचित विधायकों और कार्यकर्ताओं के लखनऊ पहुंचने का सिलसिला चल रहा है। बताया जा रहा है प्रदेश भर से करीब 45 हजार पार्टी कार्यकर्ता शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में प्रवासी कार्यकर्ताओं के समारोह में शामिल होने की संभावना है। योगी 2.0 शपथ ग्रहण समारोह के लिए राजधानी लखनऊ केसरियामय हो गई है।

राजधानी के हर चौराहे और सड़क को भगवा से पाट दिया गया है। जगह-जगह योगी सरकार की उपलब्धियों और कराए जा रहे विकास के कामों के पोस्टर-होर्डिंग लगे हैं। इन पोस्टरों पर एक ही नारा लिखा है-हम निकल पड़े हैं प्रण करके नए भारत का नया उत्तर प्रदेश बनाने को। पूरा लखनऊ केसरिया में रंगा नज़र आ रहा है।

अब वन नेशन वन इलेक्शन की बारी राज्यसभा में गूंजा मुद्दा

नई दिल्ली । राज्यसभा में विभिन्न दलों के सदस्यों ने विभिन्न मुद्दे उठाये जिनमें एक राष्ट्र, एक चुनाव, ओडिशा में विधानपरिषद के गठन, प्रधानमंत्री मातृत्व योजना के तहत आवेदन की प्रक्रिया को आसान बनाने और बेघर बच्चों (स्ट्रीट चिल्ड्रेन) के पुनर्वास के मुद्दे शामिल थे। शून्य काल में भारतीय जनता पार्टी के डॉ. डी पी वत्स ने एक राष्ट्र, एक चुनाव का मुद्दा उठाया और कहा कि 1967 के बाद संविधान के अनुच्छेद 356 का इस्तेमाल करते हुए संयुक्त विधायक दल की सरकारों को कार्यकाल के बीच में ही बर्खास्त किया गया तथा इसके बाद देश में एक राष्ट्र, लगातार चुनाव की स्थिति हो गई। अलग अलग समय पर होने वाले चुनावों को देश के संसाधनों पर बड़ा भार बताते हुए वत्स ने कहा, राष्ट्र हित को मद्देनजर रखते हुए मैं सभी राजनीतिक दलों, वह चाहें सरकार में हों या विपक्ष में, से आग्रह करूंगा कि दस विषय पर एक आम सहमति बनाई जाए। इसके लिए कोई रास्ता निकाला जाए ताकि देश के संसाधनों पर भार कम हो और पांच साल में एक बार विधानसभा, लोकसभा और शहरी निकायों के चुनाव हों। ऐसा होता है तो देश हित में बहुत अच्छा होगा। ओडिशा से बीजू जनता दल के सदस्य मुजीबुल्लाह खान ने राज्य में विधान परिषद के गठन के लिए केंद्र सरकार से आवश्यक कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि ओडिशा की विधान सभा ने इस आशय का संकल्प 2018 में सर्वसम्मति से पारित कर केंद्र सरकार को भेजा। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों राज्यसभा में एक लिखित सवाल के माध्यम से इस प्रस्ताव की स्थिति की जानकारी मांगी गई तो सरकार की ओर से जवाब में कहा गया कि उसे इस संकल्प का कोई ऐसा दस्तावेज नहीं मिला है। उन्होंने कहा विधान सभा से संकल्प पारित होने के बाद भारत सरकार के पास कागज आया था। मंत्री महोदय कह रहे हैं कि वह कागज मिल नहीं रहा है।...मतलब कहीं गुमा दिये होंगे? यह तो बड़ी अजीब बात है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने कहा पुलिस के खिलाफ शिकायत होने पर ही थाने का सीसीटीवी क्यों बंद हो जाते हैं?

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

पुलिस के खिलाफ शिकायत होने पर ही थाने का सीसीटीवी क्यों बंद किया जाता है? यही सवाल चीफ जस्टिस ने पूछा है। राज्य सरकार ने राज्य के पुलिस थानों में लगे सीसीटीवी कैमरों के संबंध में गुजरात उच्च न्यायालय के समक्ष महत्वपूर्ण विवरण प्रस्तुत किया है। हलफनामे में राज्य सरकार ने माना है कि 619 में से 45 थानों में सीसीटीवी फुटेज काम नहीं कर रहा था. विवरण जारी किया गया है कि 7288 सीसीटीवी कैमरे काम कर रहे हैं। महिलाओं की पिटाई के मुद्दे पर अवमानना याचिका दायर अहमदाबाद एसजी हाईवे पर ट्रैफिक पुलिस द्वारा दो महिलाओं की पिटाई के मुद्दे पर अवमानना याचिका दायर की गई थी. इस राज्य सरकार ने अदालत को यह भी बताया है कि पीएसआई के तहत थानों में 9 से 10 सीसीटीवी
और पीआई के तहत थानों में 15 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं. रोजाना सीसीटीवी की रिपोर्ट व्यक्त की थी। कोर्ट ने कहा कि पुलिस विभाग को मामले को गंभीरता से लेने की जरूरत है। उन्होंने यह भी आदेश दिया कि जिस दिन घटना हुई उस दिन के लगभग 100 मीटर के सरकारी और निजी सीसीटीवी फुटेज प्राप्त

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने कहा, ''पुलिस स्टेशन के सीसीटीवी तभी बंद क्यों होते हैं जब कोई घटना होती है जहां पुलिस के खिलाफ शिकायत होती है?

619 थानों के 7327 सीसीटीवी कैमरों में से 7282 लगे चालू, शेष 45 सीसीटीवी बंद गुजरात सरकार का जवाब

संबंध में अहमदाबाद के संयुक्त पुलिस आयुक्त की रिपोर्ट में कहा गया था कि वस्त्रापुर थाने का सीसीटीवी कैमरा बंद था. मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने तब राज्य के पुलिस थाने को सीसीटीवी कैमरों से स्थिति का ब्योरा जारी करने का निर्देश दिया था। जिसके बाद राज्य सरकार ने सीसीटीवी कैमरों की डिटेल जारी की है. कुल 719 पुलिस थानों में से 7327 में से 7282 सीसीटीवी कैमरे चालू हैं। शेष 45 सीसीटीवी कैमरों को तकनीकी कारणों या मरम्मत के कारण बंद कर दिया गया है।

तैयार की जा रही है। साथ ही सीसीटीवी रिकॉर्डिंग को 30 दिन तक सुरक्षित रखने का प्रावधान है।
पीड़ित महिला ने हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की थी जिसमें 2 महिला आवेदकों को तीन पुरुष ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने पीटा था. पुलिस की कार्रवाई को चुनौती देते हुए दो महिलाओं ने गुजरात हाई कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी। मुख्य न्यायाधीश अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति आशुतोष शास्त्री की पीठ ने पहले मामले को गंभीरता से लिया था और पुलिस कर्मियों के प्रदर्शन पर नाराजगी किए जाएं और अदालत के समक्ष पेश किए जाएं। यदि वे ऐसा नहीं कर सकते हैं तो वे इस सीसीटीवी फुटेज को दूसरों के माध्यम से प्राप्त करने का आदेश देंगे।
2019 में दो महिलाओं की हत्या कर दी गई थी । अहमदाबाद शहर में एसजी हाईवे के पास गुरुद्वारा के पास 26 दिसंबर, 2019 को एसजी हाईवे के पास गुरुद्वारा के पास एक ट्रैफिक पुलिस चौकी के एक पीआई सहित दो पुलिस कांस्टेबल की पिटाई की गई थी। दो महिला आवेदकों ने मामले को अहमदाबाद शहर के पुलिस आयुक्त के पास भेजा था।

लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है:राष्ट्रपति कोविंद

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भारत के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने आज गुजरात विधानसभा के सदस्यों को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। राष्ट्रपति ने कहा कि विधानसभा के सदस्य अपने क्षेत्र और राज्य के लोगों के प्रतिनिधि होते हैं, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि लोग उन्हें अपने भाग्य का निर्माता मानते हैं। लोगों की उम्मीदें और आकांक्षाएँ उनसे जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के लिए लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का प्रयास सर्वोपरि होना चाहिए। गांधीनगर में गुजरात विधानसभा पहुंचे राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल, विधानसभा अध्यक्ष नीमाबहेन आचार्य और राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति ने भारत के आज़ादी के अमृत महोत्सव मनाए जा रहे होने का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वतंत्रता और उसके अमृत महोत्सव का जश्न मनाने के लिए गुजरात से बेहतर कोई जगह नहीं है। गुजरात राज्य के लोग स्वतंत्र भारत की कल्पना करने वाले लोगों में अग्रणी थे। 19वीं सदी के अंतिम दशकों में दादाभाई नौरोजी और फिरोज़शाह महेता जैसी हस्तियों ने भारतीयों के अधिकारों के लिए आवाज़ उठाई। स्वतंत्रता के उस संघर्ष को गुजरात के लोगों ने लगातार मज़बूत किया और अंतत: महात्मा गांधी के मार्गदर्शन में वह संघर्ष भारत की स्वतंत्रता में परिणामित हुआ। राष्ट्रपति ने कहा कि महात्मा गांधी ने न केवल भारत के स्वतंत्रता संग्राम को नेतृत्व प्रदान किया, बल्कि पूरी दुनिया को एक नया रास्ता, एक नई सोच और एक नया दर्शन भी दिखाया। आज जब भी दुनिया में किसी भी तरह की हिंसा होती है, तब हमें बापू द्वारा दिए गए 'अहिंसा' के मंत्र के महत्व का एहसास होता है। राष्ट्रपति ने कहा कि गुजरात का इतिहास अनूठा है। महात्मा गांधी और सरदार पटेल की इस भूमि को सत्याग्रह की भूमि कहा जा सकता है। पूरे विश्व में औपनिवेशवाद के ख़िलाफ़ सत्याग्रह के मंत्र को एक अमोघ शस्त्र के रूप में स्थापित किया गया था। बारडोली सत्याग्रह, नमक सत्याग्रह और दांडी मार्च ने न केवल हमारे स्वतंत्रता संग्राम को एक नया रूप दिया, बल्कि विरोध की अभिव्यक्ति और जन आंदोलन के संचालन को भी एक नया आयाम दिया। राष्ट्रपति ने कहा कि सरदार पटेल ने स्वतंत्र भारत को उसका एकीकृत रूप दिया और प्रशासन की नींव को मज़बूत किया। नर्मदा के तट पर उनकी प्रतिमा 'द स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी', जो दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा है, उनकी स्मृति में एक कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से एक छोटा सा उपहार है। भारत के लोगों के दिलों में उनका कद उससे भी ऊँचा है।
राष्ट्रपति ने कहा कि गुजरात ने राजनीति के अलावा सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में भी अहम भूमिका निभाई है। नरसिंह मेहता की इस भूमि पर अध्यात्म का बहुत प्रभाव रहा है। उनका भजन "वैष्णवजन तो तेने कहिए, जे पीड पराई जाणे रे" हमारे स्वतंत्रता संग्राम का गीत बन गया। इसने भारतीय संस्कृति के मानवतावाद का भी प्रसार किया था। राष्ट्रपति ने कहा कि गुजरात के लोगों की उदारता भारतीय संस्कृति की एक प्रमुख विशेषता है। इस क्षेत्र में प्राचीन काल से सभी संप्रदायों और समुदायों के लोग भाईचारे के साथ आगे बढ़ रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि आधुनिक युग में गुजरात ने विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। जहाँ डॉ. होमी जहाँगीर भाभा को भारतीय परमाणु कार्यक्रम

भारत के राष्ट्रपति ने गांधीनगर में गुजरात विधानसभा के सदस्यों को संबोधित किया

का जनक माना जाता है, वहीं भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला के संस्थापक डॉ. विक्रम साराभाई को भारतीय विज्ञान और विशेष रूप से भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान के अग्रणी के रूप में सम्मानित किया जाता है। राष्ट्रपति ने कहा कि 1960 में राज्य की स्थापना होने के बाद गुजरात उद्योग और नवाचार के माध्यम से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि गुजरात की धरती पर शुरू हुई श्वेत क्रांति ने पोषण के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव किया है। आज दूध के कुल उत्पादन और खपत के मामले में भारत दुनिया में प्रथम स्थान पर है। गुजरात की दूध सहकारी समितियाँ इस सफलता की अग्रदूत रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने गुजरात में सहकारी संस्कृति की सफलता के लाभों को पूरे देश में पहुँचाने के उद्देश्य से केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय का गठन किया है। राष्ट्रपति ने कहा कि गुजरात विधानसभा ने इस राज्य के समग्र विकास के लिए कई क्रांतिकारी क़दम उठाए हैं। गुजरात पंचायत विधेयक, 1961 और गुजरात अनिवार्य प्रारंभिक शिक्षा अधिनियम, 1961 द्वारा क्रमश: स्थानीय स्वशासन और शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रगतिशील प्रणाली स्थापित की गई थी। गुजरात एकमात्र ऐसा राज्य है, जहाँ इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश और विकास को प्रोत्साहित करने के लिए विधानसभा द्वारा गुजरात इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एक्ट, 1999 पारित किया गया था। भविष्योन्मुखी क़ानून बनाने की दिशा में इस विधानसभा द्वारा पारित गुजरात जैविक कृषि विश्वविद्यालय अधिनियम, 2017 भी उल्लेखनीय है। राष्ट्रपति ने गुजरात की बहुआयामी प्रगति में अपने योगदान के लिए गुजरात की वर्तमान और पिछली सरकारों के साथ-साथ गुजरात विधानसभा के वर्तमान और पूर्व सदस्यों की प्रशंसा की।
राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से गुजरात के विकास मॉडल को एक अनुकरणीय उदाहरण के रूप में देखा जा रहा है, जिसे देश के किसी भी क्षेत्र और राज्य में लागू किया जा सकता है। साबरमती रिवरफ्रंट शहरी परिवर्तन का एक प्रभावशाली उदाहरण है। पर्यावरण को सुरक्षित रखते हुए साबरमती और इसके निवासियों के बीच संबंधों को एक नया आयाम दिया गया है। देश के नदी के किनारे बसे अन्य सभी शहरों के लिए यह एक अच्छा उदाहरण हो सकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि जब हम आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, तब यह हमारा कर्तव्य है कि हम अपने स्वतंत्रता सेनानियों को याद करते हुए देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए सार्थक क़दम उठाएँ, ताकि वर्ष 2047 में, जब भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा, उस समय की पीढ़ी को अपने देश पर गर्व महसूस हो।